राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 103, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली रविवार 29 अक्टूबर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य है स्टार्टअप कॉन्क्लेव का .... पेज 03

निराश्रित बहनों के लिए महिला पेंशन की राशि बढ़ाने की करेंगे व्यवस्था : योगी .... पेज 05

एशियाई खेल 2023 : मयंक चाफेकर ने मॉडर्न पेंटाथलॉन में तीन स्वर्ण पदक जीते .... पेज 07

सूरत में एक परिवार के 7 लोगों ने किया सुसाइड

पिता ने सभी सदस्यों को जहर पिलाकर फांसी लगाई

सूरत। गुजरात से सूरत शहर में सामूहिक आत्महत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शहर के सिद्धेश्वर अपार्टमेंट में एक ही परिवार के सात लोगों ने की सामूहिक आत्महत्या कर ली। प्राथमिक जांच में पता चला है कि परिवार के मुखिया पिता ने सभी सदस्यों को जहर पिलाया और इसके बाद खुद फांसी लगा ली। मृतकों में माता-पिता, बेटा-बहू और इनके तीन बच्चे (दो बेटे और बेटी) शामिल हैं।

मृतकों में तीन बच्चे भी

लिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल भेज दिया है। अब तक सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि, पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। शायद सुसाइड की वजह यही हो सकती है।

मणिपुर में रविवार की जगह जुमे की छुट्टी की मांग

छात्र संगठन ने पर्चे बांटकर ऐलान किया; राज्य सरकार बोली-यह अवैध, जनता भरोसा न करे

इम्फाल। मणिपुर में रविवार की जगह जुमे (शुक्रवार) की छुट्टी की मांग की गई है। चुराचांदपुर की जॉइंट स्टूडेंट बॉडी ने पर्चे बांटकर इसका ऐलान किया है। उन्होंने 26 अक्टूबर को इसे लेकर एक बयान जारी किया था, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। स्टूडेंट बॉडी ने बयान में कहा था कि हम इस कठिन समय में भी अपनी रहने की जगह पर ठीक से पढ़ाई करना चाहते हैं। इसके लिए हमने एक रेजोल्यूशन अपनाया है। हम सभी सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों और

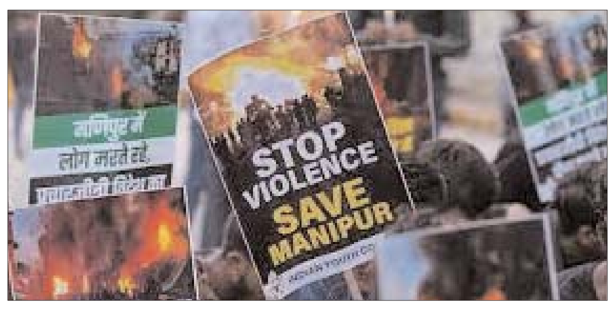

स्कूल में रविवार की जगह शुक्रवार की छुट्टी रखना चाहते हैं।

वहीं, 27 अक्टूबर को राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने स्टूडेंट बॉडी के इस नोटिस को अवैध करार दिया है। उन्होंने कहा- इस तरह की घोषणा जानबूझकर की जा रही है। यह राज्य में अशांति फैलाने के लिए किया जा रहा है। जनता इन पर भरोसा न करे।

मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन के 5 लोगों को पकड़ा

मणिपुर पुलिस ने 27 अक्टूबर को जबरन वसूली कर रहे केसीपी (मिलिट्री टास्क फोर्स) संगठन के पांच सक्रिय सदस्यों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, बिष्णुपुर, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के बॉर्डर एरिया में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया था।

पुलिस ने इनके पास से गोला-बारूद, पांच मोबाइल फोन, 1 पिस्तौल, वॉर ड्रेस, जंगल बूट, बुलेट प्रूफ जैकेट और 2090 रुपए भी जब्त किए हैं। इनके पास बिना रजिस्ट्रेशन प्लेट वाली एक कार भी बरामद की गई। इससे पहले, 25 अक्टूबर को मणिपुर में काकचिंग पुलिस ने वांगू लाइफाम इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था।

शहादत पर भेदभाव अग्निवीरों के बलिदान का अपमान : राहुल

हर शहीद के खून का मोल एक समान होना चाहिए

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अग्निवीर और नियमित सैनिक के शहीद होने पर परिजनों की मदद में फर्क करने पर सरकार को घेरते हुए शनिवार को कहा कि शहादत पर भेदभाव शहीद का अपमान है इसलिए सैनिक की बलिदान पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

गांधी मोदी सरकार की अग्निवीर योजना का लगातार विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के साथ शहादत के बाद भी भेदभाव किया जा

रहा है। उनका कहना था कि शहादत में फर्क नहीं होता इसलिए शहीदों के खून पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया,शहीदों के बलिदान में भेदभाव उनका अपमान है। हर शहीद के खून का मोल एक समान होना चाहिए।

गांधी ने इसके साथ ही अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बलिदान के बाद परिजनों के लिए सुविधा में भेदभाव को लेकर एक चार्ट भी पोस्ट किया जिसमें कहा गया है कि अग्निवीर की शहादत पर बीमा 48 लाख रुपए है जबकि नियमित सैनिक के लिए 75 लाख है।

बकाया वेतन अग्निवीर के परिजन को चार साल तक मिलेगा जबकि नियमित सैनिक के परिजनों को यह सुविधा सैनिक की सेवानिवृत्ति अवधि तक है। इसी तरह से अनुग्रह राशि अग्निवीर के लिए 44 लाख और नियमित के लिए 55 लाख, युद्ध हताहत कल्याण कोष में दोनों के लिए 8-8 लाख रुपए है जबकि ग्रेच्युटी, पारिवारिक पेंशन, सैन्य कल्याण फंड, स्वास्थ्य सुविधाएं, कैंटीन सुविधा ट्यूशन और हॉस्टल शिक्षा में आरक्षण, रोजगार में आरक्षण जैसी सुविधाएं अग्निवीरों के लिए नहीं है जबकि नियमित सैनिकों के लिए ग्रेच्युटी 20 लाख तक, पारिवारिक पेंशन 100 फ़ीसदी वेतन, कैंटीन स्वास्थ्य आदि सुविधा निशुल्क है।

मुकेश अंबानी को मिली जान से मारने की धमकी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को 27 अक्टूबर को एक ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। उनसे 20 करोड़ रुपये की मांग भी की गई है। ऐसा नहीं करने पर मारने की धमकी दी गई है। मुंबई के गामदेवी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 387 और 506 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने मुंबई पुलिस के हवाले से यह जानकारी दी है। पुलिस ने कहा है कि धमकी 27 अक्टूबर को शादाब खान नाम के व्यक्ति ने भेजी थी। मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के सुरक्षा अधिकारियों द्वारा धमकी की जानकारी देने के बाद शिकायत दर्ज कर ली गई है। मुंबई पुलिस ने पिछले साल मुकेश अंबानी और उनके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाने की धमकी भरे कॉल करने के आरोप में बिहार से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनाना राष्ट्र निर्माण के काम का महत्वपूर्ण हिस्सा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वरोजगार से लेकर नौकरियों के अवसर बढ़ाने की खातिर सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मोदी शरद पूर्णिमा पर केंद्र सरकार की नौकरियों के नियुक्ति पत्र जारी करने के लिए 'रोजगार मेला' कार्यक्रम की

ताजा कड़ी में विभिन्न विभागों के लिए देश भर में 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र जारी करने के कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवावों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक जरूरी कदम है।

मोदी ने कहा, देश के अलग-

अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित होने वाले रोजगार मेले युवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारी सरकार युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर मिशन मोड में काम कर रही है।

उन्होंने कहा, हम न सिर्फ रोजगार दे रहे हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था को पारदर्शी भी बनाए हुए हैं, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया पर युवाओं का भरोसा बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की भर्ती प्रक्रिया को न सिर्फ अधिक सुचारु बनाया गया है, बल्कि कुछ परीक्षाओं को पुनर्व्यवस्थित भी किया गया है। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की भर्तियों में लगने वाला समय अब करीब-करीब आधा हो गया है। यानी सर्कुलर पत्र जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक के समय को काफी कम कर दिया है। इससे युवाओं के समय की बड़ी बचत हुई है।

'नगर कीर्तन'

अमृतार में स्वर्ण मंदिर में गुरु रामदास साहिब के प्रकाश पर्व से पहले 'नगर कीर्तन' जुलूस के दौरान सिख श्रद्धालु गुरु ग्रंथ साहिब (सिख पवित्र ग्रंथ) को पालकी में ले जाते हुए।

असम में भाजपा नेता की हत्या, कांग्रेस नेताओं पर लगा आरोप

मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है

गुवाहाटी। असम के करीमगंज जिले में 47 वर्षीय पूर्व पंचायत सदस्य और भाजपा नेता शुक्रवार रात मृत पड़ा मिला।

पुलिस ने कुछ दिन से लापता भाजपा नेता का शव जिले के पथरकंडी क्षेत्र से बरामद किया। एसएसपी पार्थ प्रतिम दास ने बताया कि मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय भाजपा नेता अब्दुल सत्तार गत 23 अक्टूबर से लापता था।

सत्तार के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले हैं। इससे प्रतीत होता है कि भाजपा नेता को प्रताड़ित किया गया।

अब्दुल सत्तार के पास आए थे कई फोन

परिवार के अनुसार, गत 23 अक्टूबर रात नौ बजे घर पर अब्दुल के पास कई फोन कॉल आईं।

वह स्थानीय विधायक के घर पर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने की बात कहकर निकल गया। इसके बाद वह नहीं लौटा और उसका फोन भी बंद हो गया। अगली सुबह हमने पुलिस और अन्य पार्टी नेताओं को घटना की जानकारी दी।

सत्तार के बेटे ने बताया कि उसके पिता को चार महीने पहले स्थानीय कांग्रेस नेता के समूह ने धमकी दी थी। परिवार ने कांग्रेस नेता सरमन अली और उसके दोस्तों पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मराठा आरक्षण की मांग, 10 दिन में 12 सुसाइड

महाराष्ट्र सरकार की कमेटी 24 दिसंबर को रिपोर्ट देगी

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर शनिवार 28 अक्टूबर को एक पंचायत सदस्य ने खुदकुशी कर ली। मरने वाले का नाम महेश कदम था। वह अहमदनगर की ढालेगांव तहसील का रहने वाला था। महेश ने सुसाइड नोट में लिखा कि लगातार सूखे के चलते स्थिति खराब होती जा रही है। मुझे मराठा रिजर्वेशन नहीं मिला, जिसके चलते बच्चों की फीस भरना मुश्किल हो गया है।

इससे पहले शुक्रवार 27 अक्टूबर को 2 और लोगों ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि बीड़ जिले के शत्रुघ्न काशिद और उस्मानाबाद जिले के बलिराम देवीदास साबले ने आत्महत्या की। राज्य में 10 दिनों में अब तक 12 लोग अपनी जान दे चुके हैं। मराठा आरक्षण के नेता मनोज जारांगे ने 27 अक्टूबर को बताया कि राज्य सरकार आरक्षण के विरोध में हैं। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग लंबे समय से की जा रही है। शिंदे सरकार ने 7 सितंबर को मराठा

आरक्षण पर एक कमेटी बनाई, जिसे रिटायर्ड जज संदीप शिंदे लीड कर रहे हैं। कमेटी को रिपोर्ट जमा करने की डेडलाइन बढ़ाकर 24 दिसंबर कर दी गई है। बीड़ जिले के अंबाजोगई तहसील के रहने वाले 27 साल के शत्रुघ्न काशिद शुक्रवार को रात करीब साढ़े 11 बजे पानी की टंकी पर चढ़ गए। उन्होंने दो घंटे तक मनोज जारांगे और आरक्षण के समर्थन में नारे लगाए। वो सुसाइड करने जा रहा था। लोगों की सूचना पर जारांगे ने काशिद से बातचीत भी की। पुलिस ने भी उसे मनाने की कोशिश की। कुछ देर बाद काशिद ने पानी की टंकी से कूदकर अपनी जान दे दी।

वेस्ट यूपी के रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ। सहारनपुर, मेरठ समेत वेस्ट यूपी के कई प्रमुख रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दो दिन पहले हरियाणा के यमुनानगर-जगाधरी स्टेशन अधीक्षक को एक धमकी भरा पत्र मिला था। जिसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की ओर से धमकी दी गई है। उधर, रेलवे स्टेशन पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ ने चेकिंग अभियान चलाया है। झ्ठुबताया जा रहा है कि दो दिन पहले आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की ओर से यमुनानगर-जगाधरी स्टेशन अधीक्षक को डाक से एक पक्ष भेजा। जिसमें 13 नवंबर को सहारनपुर, अंबाला, पानीपत, सोनीपत, चंडीगढ़, भिवानी, मेरठ, गाजियाबाद सहित कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ा देने की धमकी दी गई। धमकी मिलने के बाद रेलवे अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर दिया है। खुफिया विभाग भी सतर्क हो गई है। शनिवार को सहारनपुर रेलवे स्टेशन

पर संदिग्ध व्यक्तियों के सामान को चेक किया गया।

रेलवे स्टेशन को उड़ाने की धमकियां पहले भी कई बार मिल चुकी हैं। सहारनपुर रेलवे स्टेशन को आठ सितंबर 2017, छह जून 2018, 27 सितंबर 2018 और 25 अप्रैल 2022 में उड़ाने की धमकी दी गई है।

फलीस्तीन में युद्धविराम पर हुई वोटिंग में भारत की अनुपस्थित गलत : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने फलीस्तीन में युद्धविराम पर हुई वोटिंग में भारत की अनुपस्थित पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों की रक्षा हमारे सिद्धांत रहा है और फलीस्तीन में युद्धविराम के मुद्दे पर चुप रहकर हमारी सरकार ने गलत किया है। वाड्रा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए कहा आँख के बदले आँख फोड़ने का सिद्धांत पूरी दुनिया को अंधा बना देती है-महात्मा गांधी। उन्होंने कहा मैं स्तब्ध और शर्मिंदा हूं कि हमारा देश गाजा में युद्धविराम के लिए हुए मतदान में अनुपस्थित रहा। हमारे देश की स्थापना की बुनियाद अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों पर आधारित है और इन सिद्धांतों के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने बलिदान दिया था और हमारे संविधान का यही सिद्धान्त हमारी राष्ट्रीयता को भी परिभाषित करते हैं। ये भारत के नैतिक साहस का प्रतिनिधित्व करते हैं और इन्हीं को आधार बनाकर हमने विश्व समुदाय के सदस्य के रूप में उसके कार्यों का मार्गदर्शन किया है।

मोदी, गडकरी समेत 40 नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह , राजनाथ सिंह , नितिन गडकरी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 40 प्रमुख नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रचार करेंगे।

भाजपा केंद्रीय समिति की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची के मुताबिक मोदी , शाह , सिंह ,गडकरी और नड्डा छत्तीसगढ़ में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे। अन्य स्टार प्रचारकों में ओपी माथुर , मनसुख मांडविया , योगी आदित्यनाथ , अर्जुन मुंडा , अनुराग ठाकुर , स्मृति ईरानी , धर्मेंद्र प्रधान , रामेश्वर तेली , देवेंद्र फडणवीस , बाबूलाल मरांडी ,

रविशंकर प्रसाद , अरूण साव , डॉ रमन सिंह , सरोज पांडेय , अजीत जामवाल , नितिन नबीन , पवन साय , साक्षी महाराज , केशव प्रसाद मौर्या , मनोज तिवारी , नित्यानंद राय , बृजमोहन अग्रवाल , रवि किशन और सतपाल महाराज शामिल हैं।

इसके अलावा नारायण चंदेल , रामविचार नेताम , गौरीशंकर अग्रवाल , विक्रम उसेंडी , मधुसूदन यादव , संतोष पांडेय , गुहाराम अजगले , गुरू बालदास साहेब , रामसेवक पैकरा , लता उसेंडी और चंदूलाल साहू भी चुनाव प्रचार करेंगे।

मणिपुर हिंसा

एक अधिकारी कर रहा 500 मामलों की निगरानी

मणिपुर हिंसा की जांच में रोड़ा बन रही अफसरों की कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर में कुछ माह पूर्व हुई हिंसा की जांच के लिए दिल्ली समेत छह राज्यों से 14 आईपीएस और छह इंस्पेक्टरों को भेजा गया है। वहां बनाई गईं 42 एसआईटी 3 हजार मुकदमों की जांच कर रही हैं, लेकिन बेहतर ढंग से जांच करने में अधिकारियों की कमी आड़े आ रही है।

जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस संख्या बल के अनुसार, एक इंस्पेक्टर पर 7 स्ढुञ्ज यानी करीब 500 केसों की निगरानी करने की जिम्मेदारी है, जो

व्यावहारिक नहीं है।

एक इंस्पेक्टर पर 500 मुकदमे होने पर जांच में होगी परेशानी

मणिपुर हिंसा की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर केंद्र सरकार ने दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश से 14 आईपीएस (डीसीपी व एसपी रैंक) व छह इंस्पेक्टरों को जांच में मदद के लिए भेजा है। ये अधिकारी एसआईटी जांच की निगरानी करेंगे। दिल्ली से सबसे अधिक तीन आईपीएस हरेंद्र कुमार सिंह, श्वेता चौहान और ईशा पांडे का जांच के लिए चयन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि एक आईपीएस तीन एसआईटी की निगरानी तो कर सकते हैं, लेकिन एक इंस्पेक्टर को सात एसआईटी की निगरानी करने में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि एक इंस्पेक्टर के जिम्मे 500 मुकदमे होंगे। इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

भाषा को लेकर हो रही दिक्कत

मणिपुर में हुई हिंसा में चर्च और अन्य धार्मिक स्थलों, घरों, दुकानों और कार्यालयों में आग लगा दी गई थी। बड़ी संख्या में लोगों की हत्या कर दी गई, लोगों को जिंदा जला दिया गया, लूटपाट, दुष्कर्म और छेड़खानी की घटनाएं हुईं। लोगों को गंभीर चोट पहुंचाई गई। इससे संबंधित मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जांच के लिए चार श्रेणी बनाई गई है। दिल्ली से गए एक पुलिस अधिकारी का कहना है कि वहां भाषाई दिक्कत है। स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है। दोनों समुदाय एक-दूसरे को दुश्मन की नजर से देख रहे हैं। लोगों में अब भी भय का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग राहत शिविर में रह रहे हैं। इलाका भी एक जैसा नहीं है, कहीं मैदानी तो कहीं पहाड़ी क्षेत्र है। इसके लिए इंस्पेक्टरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही मणिपुर हिंसा की जांच के लिए दूसरे राज्यों से अधिकारियों को भेजा गया है। 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में जांच संबंधी स्टेटस रिपोर्ट सौंपी जानी है।

शार्ट न्यूज

दो गोदाम से भारी मात्रा में पटाखे बरामद

दादरी। दादरी में अवैध रूप से पटाखों की दो मिनी फैक्टरियां चलाई जा रही थीं। पुलिस ने शुक्रवार को छापा मारकर भारी मात्रा में पटाखें बरामद किए हैं। मामले में दो व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। अवैध कारोबार जुटे दोनों के सहयोगियों की तलाश शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को पुलिस ने जारचा रोड और बिसाहडा रोड़ पर संदीप गोयल की मिनी फैक्टरी पर छापा मारकर लाखों रुपये के अवैध पटाखे बरामद किए। वहीं, सरस्वती शिशु मंदिर के एक मकान में चलाई जा रही लोकेश गर्ग की अवैध फैक्टरी से 315 पैकेट पटाखे बरामद हुए। जिनकी कीमत लाखों रुपये है। पुलिस ने दोनों मिनी फैक्टरी संचालकों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दोनों आरोपियों के पास पटाखे की बिक्री और भंडार करने का लाइसेंस नहीं है। पुलिस ने बताया कि दोनों कारोबारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया है।

एसीबी ने एएसआई के खिलाफ दर्ज किया मामला

हैदराबाद। तेलंगाना में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शनिवार को नगरकुर्नूल जिले के कलवाकुर्थी थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) के खिलाफ मामला दर्ज किया। एसीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। एसीबी सूत्रों ने बताया कि सात अगस्त को हैदराबाद के एक नरेश इंगले ने अपनी कार से थाना कलवाकुर्थी में यहां के ही जगन की कार को टक्कर मार दी थी। जिसके बाद, जगन नरेश को जबरन कलवाकुर्थी स्थित मारुति नेक्सा शोरूम में ले गए। कलवाकुर्थी थाने के एएसआई अधिकारी वी. अंजनेयुलु ने यहां का दौरा किया और शिकायत सुनने पर नरेश का ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिया। उसे और उसके परिवार के सदस्यों को कलवाकुर्थी थाने ले गए। एएसआई ने उनसे रिश्वत के रूप में पांच हजार रुपये और स्विफ्ट डिजायर कार के मालिक एस जगन को तीस हजार रुपये देने की मांग की। उक्त एएसआई की मांग पर, शिकायतकर्ता नरेश इंगले ने 3,500 रुपये की राशि का भुगतान किया और शेष राशि 1,500 रुपये गूगल पे के माध्यम से एएसआई को भेज दिए। उन्होंने स्विफ्ट डिजायर कार के मालिक जगन को अपने गूगल पे के माध्यम से 30 हजार रुपये की राशि का भुगतान भी किया।

तीन किलो से अधिक चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के चंपावत में पुलिस ने तीन किलोग्राम से अधिक चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। चंपावत के पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के अनुसार कोतवाली पुलिस को चरस की बड़ी मात्रा में तस्करी की सूचना मिली। इसी दौरान शुक्रवार 27 अक्टूबर को विशेष अभियान समूह और हाईवे पेट्रोलिंग यूनिट (एचपीयू) के साथ ही कोतवाली पुलिस ने टनकपुर-चंपावत राजमार्ग पर अपना जाल बिछा दिया। इसी बीच वाहनों की सघन जांच अभियान के दौरान राज्य परिवहन की बस संख्या यूके 07 पीए 3206 से एक तस्कर को 3.385 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम बकोड़ा, थाना तामली, चंपावत को के खिलाफ कोतवाली में अभियोग पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने बताया कि बरामद चरस को उसने अपने गांव में ही तैयार किया है और मैदानी क्षेत्र में बेचने के लिये ले जा रहा था।

बदरी, केदार सहित सभी मंदिर हुए बंद

देहरादून। देशव्यापी चंद्रग्रहण के दौरान शनिवार अपराह्न लगभग चार बजे देवभूमि उत्तराखंड स्थित सभी मन्दिर के कपाट शुक्रवार ब्रह्म मुहूर्त तक के लिए बन्द हो गए। श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर सहित श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सभी अधीनस्थ मंदिर एवम अन्य सभी मंदिरों के कपाट अपराह्न चार बजे बंद हो गये। बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि यद्यपि ग्रहण काल का समय 28 अक्टूबर, रात्रि एक बजकर चार मिनट है। नौ घंटे पहले सूतक काल प्रारंभ होने के कारण, दोनों मंदिर तथा मंदिर समिति के सभी अधीनस्थ मंदिर बंद कर दिए गये। अब कल रविवार, 29 अक्टूबर को प्रात: शुद्धिकरण पश्चात मंदिर पूर्ववत ब्रह्म मुहुर्त में खुलेंगे तथा महाभिषेक, रूद्राभिषेक सहित सभी प्रात्कालीन पूजाये अपने नियत समय पर होंगी। मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि श्री बदरीनाथ मंदिर शयन आरती के बाद बंद हुआ। रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी सहित धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल ने कपाट बंद किये। इस अवसर पर प्रभारी मंदिर अधिकारी राजेंद्र सेमवाल, बडुवागण विपुल डिमरी, पंकज डिमरी मौजूद रहे।

कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए बीजेपी ऑपरेशन कमला का कर रही प्रयास

बेंगलुरु, 28 अक्टूबर (वार्ता) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए ऑपरेशन कमला का प्रयास कर रही है, लेकिन सफल नहीं होगी। यह बयान कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस-जेडीएस सरकार को हटाने वाली एक टीम सिद्धारमैया सरकार को गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये का लालच देने का काम कर रही है। गौड़ा ने यह भी दावा किया कि चार विधायकों से संपर्क किया गया है और एक मंत्री पद का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा, इस संबंध में साक्ष्य जल्द ही साझा किए जाएंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस विधायकों पर ऑपरेशन कमला चलाने में कभी सफल नहीं होगी। गौड़ा ने कांग्रेस विधायकों को लुभाने के लिए भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा के पूर्व पीए के शामिल होने का भी आरोप लगाया था।

क्रिप्टोकरेंसी में करोड़ों की धोखाधड़ी, लोग सोच समझ कर पैसा करें निवेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश में क्रिप्टो करेंसी मामले में करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी हुई है। आम आदमी से लेकर बड़े अधिकारियों को शातिरों ने शिकार बनाया है। पुलिस को लगातार ठगी की शिकायतें मिल रही है। अभी तक मामले को लेकर पुलिस ने नौ लोगों को हिरासत में लिया है और जांच चल रही है। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की ऐसी कोई भी स्कीम नहीं है, जिससे पैसा तीन गुना हो जाए। लोग अपनी मेहनत की कमाई को सोच समझकर निवेश करें। नेगी ने कहा कि क्रिप्टो करेंसी के नाम पर लोगों को पैसा तीन गुना होने का प्रलोभन दिया गया। इसके बाद आम आदमी से लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों ने इसमें निवेश किया। लेकिन अब लगातार धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। विधानसभा में भी क्रिप्टोकरेंसी का मामला उठा था, जिसके बाद सरकार ने पुलिस एसआईटी बनाकर मामले की छानबीन शुरू की। प्रदेश में विभिन्न प्रोजेक्ट और फोरलेन के लिए जिन लोगों की भूमि अधिग्रहण की गई है उन लोगों को शातिर टारगेट कर रहे हैं। इसलिए लोग जागरूक होकर ऐसे किसी भी झांसे में न आए और सोच समझकर पैसा निवेश करें।

हिमाचल के नाथपा में भूस्खलन, मलबे में दबा हाईवे

शिमला। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की दृष्टि से जनजातीय जिला किन्नौर संवेदनशील बनता जा रहा है। निगुलसरी के बाद अब नाथपा डैम के साथ पहाड़ी से भूस्खलन का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार देर रात से पहाड़ी से लगातार भूस्खलन हो रहा है, जिस कारण देश की सीमा को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे पांच करीब 200 मीटर तक मलबे से दब गया है। अब हाईवे बहाल होने में करीब तीन दिन का समय लगेगा जिससे लोग खासे परेशान हैं। भूस्खलन के कारण किन्नौर सहित काजा और लाहौल स्पीति के हजारों लोगों को आवाजाही करने में खासी परेशानियां झेलनी पड़ेंगी। सामरिक दृष्टि से महत्पूर्ण नेशनल हाईवे पांच पर नाथपा डैम के साथ रात दो बजे से पहाड़ी से भूस्खलन का सिलसिला शुरू हो गया था, जो शनिवार को भी जारी रहा। पहाड़ी से भारी भूस्खलन के कारण नेशनल हाईवे पांच पर चट्टानों और मलबे का ढेर लग गया है। करीब दो सौ मीटर सड़क पूरी तरह से मलबे से ढक गई है। ऐसे में समूचे किन्नौर जिले सहित काजा और स्पीति का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। पहाड़ी से लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण नेशनल हाईवे को बहाल करना चुनौतिपूर्ण बना हुआ है।

जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक की बड़ी कार्रवाई

- औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने बिना बिल के दवाओं का विक्रय करने पर गर्ग मेडिकल स्टोर को किया सीज
- तीन संदिग्ध औषधि के नमूने जांच के लिए किए संग्रहित

गौतम बुद्ध नगर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों के क्रम में एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण निरंतर स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर नोएडा के ग्राम छलेरा में पहुंचकर गर्ग मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस बल के साथ गर्ग मेडिकल स्टोर से कुल तीन(एंटी एलर्जी के दो और एक एंटी बीओटीक) औषधि का नमूना संग्रहित किया गया।

मौके पर इन औषधि के बिल के साथ अन्य 7 दवाओं के क्रय विक्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए गए, जिस पर मेडिकल स्टोर को सभी औषधि के क्रय विक्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने तक के लिए तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मेडिकल स्टोर के क्रय विक्रय अभिलेखों की जांच यह सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है की किसी भी मेडिकल द्वारा किसी बिना या अवैध लाइसेंस धारी या बिना डॉक्टर के पर्चे पर औषधि का क्रय विक्रय तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जिनकी रिपोर्ट आने पर एवं विवेचना करने पर आग्रिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 के अन्तर्गत नियमानुसार की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान आसपास के मेडिकल स्टोर शटर बंद करके भाग गए, इनकी भी जांच की जाएगी। औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स की जांच की जाएगी।

'विकास दर मामले में तेलंगाना शीर्ष पांच राज्यों में शामिल'

हैदराबाद। तेलंगाना नगर प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव (केटीआर) ने शनिवार को घोषणा की कि विकास दर के मामले में राज्य देश में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है।

केटीआर ने बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में आयोजित 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सिंचाई, मिशन भागीरथ और मिशन काकतीय जैसे विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में रणनीतिक तौर पर निवेश किया है।

उन्होंने बताया कि देशभर में रोजगार के अवसरों में तेलंगाना का प्रमुख योगदान है। राज्य एक साल में पैदा होने वाली कुल 4.5 लाख नौकरियों में से 1.5 लाख नौकरियां पैदा करता है। इसके अतिरिक्त तेलंगाना सरकार ने 2.2 लाख सरकारी नौकरियों को भरने का कार्य शुरू किया है और 1.32 लाख पदों को भरने के साथ ही अन्य चरणों में 90,000 पदों को भरने की योजना बनाई है।

इस दौरान उन्होंने प्रत्येक जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज होने की तेलंगाना की उल्लेखनीय उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला और आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और धान उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की प्रगति पर जोर दिया।

किसानों की आय दोगुनी करने और पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के अधुरे वादे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। वहीं, मेडीगड्डा (लक्ष्मी बैराज) परियोजना के बारे में चिंताओं की चर्चा करते हुए श्री केटीआर ने आश्वासन दिया कि इसका निर्माण पांच साल पहले किया गया था और इस पर कोई अतिरिक्त धन बर्बाद नहीं किया जाएगा।

परियोजना के लिए जिम्मेदार एजेंसी वित्तीय बोझ के बिना समस्या को ठीक करेगी और इसने 28 लाख घन सेंटीमीटर बाढ़ के पानी का सफलतापूर्वक सामना किया है।

'श्री मंदिर कॉरिडोर परियोजना को 15 दिसंबर तक पूरा करने का निर्देश

भुवनेश्वर। नबीन ओडिशा और 5टी के अध्यक्ष वी के पांडियन ने शनिवार को अधिकारियों को श्री मंदिर कॉरिडोर परियोजना के काम में तेजी लाने और इसे अगले 15 दिसंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया। पुरी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, ओडिशा ब्रिज कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक और विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के अधिकारियों के साथ शनिवार तड़के दो घंटे से अधिक समय तक काम की प्रगति की समीक्षा करने के बाद श्री पांडियन ने कहा कि यह श्रद्धालुओं को एक नई अनुभूति देगा। उन्होंने विभिन्न मठों के जीर्णोद्धार कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया और अधिकारियों को गलियारे परियोजना के भूनिर्माण के लिए जगन्नाथ संस्कृति से जुड़े पेड़ लगाने तथा स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए दोपहिया वाहनों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था करने की सलाह दी। श्री पांडियन ने मेघनाद पचेरी के करीब विभिन्न उपयोगिताओं के हस्तांतरण और कॉरिडोर परियोजना के विद्युतीकरण कार्य को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

चुनाव आयोग से अधिकारियों की शिकायत भाजपा की खीझ

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के द्वारा राज्य के अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों की चुनाव आयोग से की गयी शिकायत को भाजपा की खीझ करार है। शुक्ला ने आज यहां जारी बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हार रही है। इसलिये वह अब अपने हारने के बहानेबाजी की पटकथा लिखना शुरू कर चुकी है। भाजपा अपनी केंद्र सरकार का दुरुपयोग कर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में लगी है।

दो हजार अभिभावक शिक्षा विभाग से करेंगे फीस लौटाने की मांग

एजेंसी

नोएडा। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद कोर्ट के निजी स्कूलों को कोरोना काल की फीस समायोजित या लौटाने के आदेश पर करीब 15 दिन पहले रोक हटा दी है, लेकिन अब तक शिक्षा विभाग ने स्कूलों को सर्कुलर भेजकर फीस समायोजित करने का निर्देश नहीं दिया है। ऐसे में ऑल नोएडा पैरेंट्स एसोसिएशन के नेतृत्व में दो हजार अभिभावक शिक्षा विभाग को पत्र और ईमेल भेजकर फीस लौटाने की मांग करेंगे। कोर्ट के इस फैसले से जिले के करीब एक लाख अभिभावकों को राहत मिलेगी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष यतेंद्र कसाना ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उम्मीद है कि स्कूल फीस समायोजित करेंगे और जो छात्र स्कूल छोड़ चुके हैं उनकी फीस लौटाएंगे। जिले में यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के करीब 350 स्कूल हैं, लेकिन अब तक शिक्षा विभाग ने स्कूलों को सर्कुलर नहीं भेजा है। ऐसे में दो हजार अभिभावक शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर फीस लौटाने की मांग करेंगे, हालांकि 50 के करीब स्कूलों ने पहले ही फीस समायोजित कर दी है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि जल्द ही स्कूलों को फीस समायोजित और लौटाने का सर्कुलर भेजा जाएगा।

आतंकवाद का भी ग्राफ शून्य पर आ रहा है : सिंह

लेथपोरा (पुलवामा)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने पांच साल का रिपोर्ट-कार्ड पेश करते हुए कहा है कि शून्य संपार्श्विक क्षति, शून्य कानून व्यवस्था की घटनाएं और शून्य नागरिक हताहत हुए हैं जबकि आतंकवाद का ग्राफ भी शून्य पर आ रहा है। सिंह ने पुलवामा जिले के सीटीसी लेथपोरा, पंपोर में 307 अधिकारियों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए इस आशय का दावा किया। उन्होंने कहा कि 'जीरो' शब्द पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर में सबसे लोकप्रिय है।

डीजीपी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के पांच साल के रिपोर्ट कार्ड से पता चलता है कि शून्य संपार्श्विक क्षति,

शून्य कानून और व्यवस्था की घटना और शून्य नागरिक हताहत हुआ है। निवर्तमान पुलिस प्रमुख ने कहा कि आतंकवाद का ग्राफ जिसने जम्मू-कश्मीर को बदनाम किया, वह भी शून्य पर आ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस साल 43 थानों को नवीनतम हथियारों और आतंकवाद विरोधी टीमों से लैस करने के लिए ऑपरेशन कैपेसिटी बिल्डिंग शुरू की गई है। उन्होंने कहा, पहले चरण में, हमने 21 थानों को कवर किया और आज, शेष 22 पुलिस स्टेशनों के लिए टीमें लॉन्च की गई हैं। इन थानों को जीरो टेरर प्लान के तहत कवर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अनंतनाग जिले में तीन आतंकी घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि 36 थानों ने 100 प्रतिशत आतंक मुक्त रिकॉर्ड दिखाया।

उन्होंने कहा, ओपी क्षमता निर्माण के तहत आने वाले थानों में आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए ड्रोन की उपलब्धता, नवीनतम हथियार और प्रत्येक में 14 सदस्यीय दस्ता होगा। इन नई टीमों की मदद से क्षेत्र का वर्चस्व और मजबूत होगा।

पुलिस प्रमुख ने कहा कि कुपवाड़ा के माछिल में पांच आतंकवादियों के मारे जाने का मतलब है कि दुश्मन जम्मू-कश्मीर में शांति को बाधित करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारा बॉर्डर ग्रिड बहुत मजबूत है और हम सुनिश्चित करेंगे कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया जाए।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस ने जो भी उपलब्धियां हासिल की हैं, वह जनता के सहयोग के बिना असंभव थी। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस लोगों की पुलिस है, जो युवाओं, लोगों और बच्चों की सुरक्षा के लिए काम कर रही है जो बेहतर भविष्य के लिए स्कूल के लिए अपना घर छोड़ते हैं। हम लोगों से बेहतर कल के लिए पुलिस को अपना समर्थन जारी रखने का आग्रह करते हैं।

तमिलनाडु में 6 करोड़ 11 लाख मतदाता

चेन्नई। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार, तमिलनाडु में 6.11 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। ईसीआई ने तमिलनाडु की एकीकृत मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की। इसमें बताया गया कि 6.11 करोड़ से अधिक मतदाताओं में 3,10,54,571 महिलाएं, 3,00,68,610 पुरुष और 8,016 तीसरे लिंग के लोग शामिल हैं। यह संख्या इस मई में प्रकाशित मसौदा सूची से कुछ हजार कम है। एकीकृत ड्राफ्ट रोल सभी जिलों में निर्दिष्ट स्थानों (ज्यादातर मतदान केंद्रों, जो स्कूल भवन हैं) में प्रकाशित किए गए हैं और ईसीआई पोर्टल पर भी हैं। ड्राफ्ट रोल जारी करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यब्रत साहू ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा दो प्रतियां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सौंपी जाएंगी। प्रकाशित सूची के अनुसार, चेंगलपट्टू जिले के शोलिंगनल्लूर विधानसभा क्षेत्र में 6,52,065 के साथ राज्य में सबसे अधिक मतदाता हैं, जिनमें 3,25,279 महिलाएं और 110 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। नागापट्टिनम जिले के किलवेलूर में सबसे कम 1,69,030 मतदाता हैं, जिनमें 85,591 महिलाएं और तीन तीसरे लिंग के लोग शामिल हैं। ड्राफ्ट रोल के अनुसार, कुल 137 मतदाता 120 वर्ष से अधिक आयु के हैं, 381 मतदाता 110 से 119 वर्ष के बीच हैं और 15,788 100-109 आयु वर्ग के हैं। श्री साहू ने कहा कि 2.12 लाख से अधिक लोग 90-99 आयु वर्ग में हैं, लगभग 12.81 लाख लोग 80-89 आयु वर्ग में हैं और 39.12 लाख लोग 70-79 आयु वर्ग में हैं।

हर मोर्चे पर फेल रही है हिमाचल की कांग्रेस सरकार : ठाकुर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि वर्तमान में राज्य की कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। सरकार बने एक साल होने को है और अब तक एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है। प्रदेश में विकास के सारे कार्य ठप पड़े हैं। ठाकुर ने शिमला के ठियोग में पंचायत समिति सदस्य के प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए इस आशय का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र में पंचायत की इकाई सबसे महत्वपूर्ण है। पंचायत स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एक-एक व्यक्ति से जुड़े और लोगों को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही जनहित की योजनाओं के बारे में बताए। हर लाभार्थी तक केंद्र की योजनाएं पहुंचे, यह भी सुनिश्चित करना कार्यकर्ता की ज़िम्मेदारी है।

ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा

समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिससे देश के हर वर्ग का समुचित विकास हो सके।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी का आधार होते हैं। भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। भाजपा में सबसे ज़्यादा कार्यकर्ता हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखने वाली भारतीय जनता पार्टी में हर कार्यकर्ता को शीर्ष पर पहुंचने का अवसर मिलता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पूर्ण समर्पण और अनुशासन के साथ जन-जन से जुड़कर पार्टी को मज़बूत करने के लिए काम करने की आवश्यकता है।

सैनी को प्रदेशाध्यक्ष व धनखड़ को राष्ट्रीय सचिव बनाने पर जताया आभार

सिरसा। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी हरियाणा इकाई के संगठन में बदलाव करते हुए शुक्रवार को पार्टी सांसद नायब सिंह सैनी को प्रदेश अध्यक्ष, जबकि अभी तक इस जिम्मेदारी को संभाल रहे ओम प्रकाश धनखड़ को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किये जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर सहित तमाम पार्टी आलाकमान का आभार व्यक्त किया है। जिला भाजपा मीडिया प्रभारी कपिल सोनी ने कहा कि श्री धनखड़ ने जहां पूर्व में प्रदेशाध्यक्ष के पद पर रहते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान की, वहीं अब राष्ट्रीय सचिव के पद पर रहते हुए केंद्रीय नेतृत्व को संभालेंगे। उन्होंने बताया कि ओपी धनखड़ हरियाणा सरकार में मंत्री रहे हैं और कई प्रमुख विभागों के कामकाज को संभाल चुके हैं।

त्रिपुरा : सुशांत चौधरी ने मुफ्त सरसों तेल का वितरण किया शुरू

अगरतला। त्रिपुरा के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री सुशांत चौधरी ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल उपलब्ध कराने की सरकार की पहल के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन कार्ड धारकों को सब्सिडी वाले सरसों के तेल का वितरण शुरू किया है।

चौधरी ने शहर में उचित मूल्य की दुकानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राशन कार्ड धारकों को सरसों का तेल सौंपा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष में करीब चार बार रियायती मूल्य पर सरसों के तेल की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दलों ने तथ्यों को जानने के बावजूद, झूठे प्रचार से सरकार की छवि खराब करने के लिए पहले भी

उपभोक्ताओं को गुमराह करने का प्रयास किया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस दोनों ने सरकार के खिलाफ एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया था, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार के वादे के अनुसार आवश्यक वस्तुओं के बजाय केवल खाली कैनवास बैग वितरित किए गए थे। मंत्री ने समझाया कि प्रत्येक राशन कार्ड धारक को कैनवास बैग निशुल्क वितरण किए जाने का निर्णय 10 अक्टूबर को मंत्रिपरिषद द्वारा लिया गया था लेकिन तब तक अधिकांश उपभोक्ताओं ने अपना मासिक राशन उठा लिया था तथा बैग बहुत बाद में पहुंचे और खाली बैग वितरित किए गए। उन्होंने कहा, कैनवास बैग वितरण में घोटाले का आरोप महज कल्पना है और इसका कोई आधार नहीं है।

आम चुनाव तक तमिलनाडु के राज्यपाल को न बदलें : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम.के.स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 'अनुरोध' करते हुए तंज कसा कि वे राज्यपाल आर.एन. रवि को कम से कम 2024 के लोकसभा चुनाव तक उन्हें उनके पद से स्थानांतरित न करें।

सत्तारूढ़ द्रमुक के द्रविड़ मॉडल शासन की आलोचनाओं को लेकर राजभवन पर हमला करने के बाद मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने प्रधानमंत्री से यह 'अनुरोध' किया। गौरतलब है कि

द्रमुक सरकार और राजभवन कई मुद्दों पर आमने-सामने हैं, जिनमें सनातन धर्म, राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना और एक गिरफ्तार मंत्री को बिना विभाग के कैबिनेट में बनाए रखना शामिल है। द्रमुक और उसके सहयोगी भी राज्यपाल को वापस बुलाने की मांग करने लगे और मांग को दबाने के लिए संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन भी किया।

स्टालिन ने शुक्रवार को यहां द्रमुक पार्टी के एक पदाधिकारी के परिवार में एक शादी के आयोजन में कहा, हमारे पास बहुत सारे फायदे हैं। श्री रवि जो कहना चाहते हैं वह कह सकते हैं, लेकिन तमिलनाडु के लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे। हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो साझा किया जा रहा है उसका अनुसरण कर रहे हैं। स्टालिन ने राज्यपाल पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए कहा, द्रविड़ विचारधारा की सफलता इस तथ्य में निहित है कि इसने ऐसे लोगों को इसके बारे में बात करने के लिए प्रेरित किया है। अपने भाषण को समाप्त करने से पहले, स्टालिन ने द्रमुक कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपनी सतर्कता कम न करें, कड़ी मेहनत करें और एकजुट रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके नेतृत्व वाला मोर्चा पुड्डुचेरी की एक सीट समेत सभी 40 सीटें जीतें।

तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अब्दुल्ला सोहेल का इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला सोहेल ने शनिवार को अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

सोहेल ने हैदराबाद के प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। सोहेल ने पार्टी की वर्तमान स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त की, विशेष रूप से टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व पर।

उन्होंने श्री रेड्डी पर कथित रूप से पार्टी पदों और विधानसभा टिकटों की बिक्री करने जैसे भ्रष्ट आचरण में शामिल होने तथा पार्टी के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों एवं मूल्यों से समझौता करने का आरोप लगाया।

शार्ट न्यूज

महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है : दयानंद वत्स भारतीय

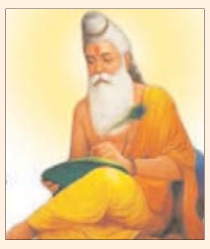

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में वत्स ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम राम के विराट व्यक्तित्व का जो वर्णन किया है वह अद्वितीय है। वत्स ने सबको उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। वत्स ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के आदर्श और शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। सामाजिक समरसता आज समय की मांग है। समूचा विश्व युद्ध के कगार पर खड़ा है। मानवता मर रही है। ऐसे में समाज को भगवान महर्षि वाल्मीकि के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि सभी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहें। भाईचारा और सौहार्द बनाकर रखें।

ग्रेटर नोएडा की एयर क्वालिटी देश में सबसे खराब

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में कोई खास सुधार दिख नहीं रहा है। शनिवार सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर ग्रेटर नोएडा की एयर क्वालिटी देश में सबसे खराब श्रेणी में दर्ज की गई। गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ की हवा भी खराब श्रेणी में है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दूसरे शहरों में आज हवा थोड़ी साफ जरूर है। लगातार बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में एक नवंबर से पुराने मॉडल की बसों की एंट्री बंद हो जाएगी। इससे गाजियाबाद और नोएडा में खासा प्रभाव पड़ेगा। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है।

नोएडा में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा की थाना सेक्टर 39 पुलिस की शनिवार तड़के बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। यह बदमाश मॉर्निंग वॉक पर आए लोगों के साथ लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे। पुलिस से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं एक बदमाश मौके से फरार हो गया। फरार बदमाश की पुलिस तलाश कर रही है। दरअसल, थाना क्षेत्र के आसपास सुबह-सुबह सैर पर आए लोगों के साथ लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। इसी को लेकर पुलिस के द्वारा सेक्टर 37 के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया। लेकिन वह लोग नहीं रुके। बदमाशों ने अपनी मोटरसाइकिल को दौड़ा दिया। जिस पर पुलिस ने उनका पीछा करना शुरू किया। सेक्टर 43 के पास पहुंचकर उन लोगों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की और जवाबी फायरिंग के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर गया।

बीकेयू के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों के साथ की बैठक

गौतम बुद्ध नगर। गौतम बुद्ध नगर में पहले से तय कार्यक्रम के तहत भारतीय किसान यूनियन के 65 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक प्राधिकरण और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई। जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में हुई इस बैठक में जिलाधिकारी मनीष वर्मा और यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह भी मौजूद रहे। किसानों और अधिकारियों की यह बैठक देर शाम तक चली। इस बैठक में किसानों ने अधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि किसानों की समस्या का अगर समाधान नहीं हुआ, तो 21 दिसंबर से खुद राकेश टिकैत अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। इस बैठक में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों के सामने किसानों की समस्याओं को रखा। इस मैराथन वार्ता में 64 प्रतिशत मुआवजा वितरण, 10 प्रतिशत प्लॉट, यमुना एक्सप्रेस हाइवे का आवसीय भूखंड, दनकौर इंटरचेंज का 3650 प्रतिकर वितरण, जनपद गौतम बुद्ध नगर के सर्किल रेट की वृद्धि एवं जेवर एयरपोर्ट की विस्थापन नीति में परिवर्तन जिसमें विस्थापित किसानों को घर के बराबर प्लॉट, रोजगार भत्ता के नाम पर 5.50 की राशि को बढ़ाकर 12 लाख करना, बेटों के प्लाट को पिता के प्लाट में मर्ज ना करना आदि समस्याओं को अधिकारियों के सामने प्रमुखता के साथ उठाया गया।

नोएडा में पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस की शातिर बदमाशों के साथ में मुठभेड़ हो गई। पुलिस मुठभेड़ के दौरान चार बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से अवैध शस्त्र, घटना में प्रयुक्त कार, लूटे गए मोबाइल फोन और एटीएम आदि बरामद किए हैं। अपनी गाड़ी में लोगों को लिफ्ट देकर उनके साथ लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही थी। मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि यह गिरोह आज थाना क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने के लिए आ रहा है। इसी सूचना पर बीटा 2 पुलिस एटीएस गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक स्विफ्ट गाड़ी में सवार कुछ संदिग्ध पुलिस को दिखाई दिए। पुलिस ने उन लोगों को रुकने का इशारा किया लेकिन उन लोगों ने अपनी गाड़ी को दौड़ा दिया।

रोज़गार मेला के नाम पर छलावा : अनुपम

पुरानी भर्तियों में नियुक्ति पत्र बांटकर फर्जी वाहवाही लूटना शर्मनाक

दिल्ली। युवाओं को रोज़गार के अवसर देने के नाम पर पूरे तामझाम के साथ आयोजित रोज़गार मेला असल में युवाओं के साथ छलावा है। सालाना दो करोड़ रोज़गार का वादा कर सत्ता में आयी सरकार अब पुरानी भर्तियों में प्रधानमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र दिलवाकर ढिंढोरा पीट रही है। स्पष्ट है कि चुनावी साल होने के कारण मोदी सरकार की मंशा युवाओं को रोज़गार देना नहीं, बल्कि झांसा देना है।

उक्त बातें युवा हल्ला बोल आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुपम ने कहा जिन्होंने रोज़गार को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाने के लिए कई वर्षों से लगातार संघर्ष किया है।

पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी ने डेढ़ साल में दस लाख नौकरी देने की घोषणा के बाद से कई ऐसे इवेंट किये गए हैं जिनमें नियुक्ति पत्र बांटा जा रहा है।

अनुपम ने आरोप लगाया कि

किसी ज़माने में जो काम डाकिया करता था, वो काम भी प्रधानमंत्री खुद ही करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि पुरानी भर्तियों में भी नियुक्ति पत्र बांटकर डेढ़ साल में दस लाख नौकरी के जुमले को पूरा करने की कोशिश हो रही है। उदाहरण के लिए 2019 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले निकाली गई रेलवे भर्तियों में चार साल बाद नियुक्ति पत्र देकर नई नौकरी बताया जा रहा है। ऐसे भी मामले सामने आए हैं जिनमें नियुक्ति पा चुके अभ्यर्थियों को प्रधानमंत्री के हाथों दुबारा नियुक्ति पत्र लेने के लिए बुलाया जा रहा। आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए चल रही यह पूरी कवायद असल में देश के साथ बड़ा छलावा है। इस सरकारी %मेला% के जरिए युवाओं को रोज़गार नहीं, झांसा दिया जा रहा है।

अनुपम ने बताया कि पिछले साल जुलाई में लोकसभा में दिए गए एक जवाब के जरिए पता चला कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के 8 वर्षों में मात्र 7 लाख 22 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी।

जबकि इन नौकरियों के लिए 22 करोड़ से भी अधिक युवाओं ने आवेदन किया। कमाल की बात है कि जो प्रधानमंत्री 8 साल में 8 लाख नौकरी भी नहीं दे पाए, उन्होंने अब डेढ़ साल में दस लाख नौकरी देने की घोषणा कर रखा है।

उसी घोषणा के अंतर्गत लगातार रोज़गार मेले का आयोजन हो रहा है। सरकार की मंशा है कि किसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव तक दस लाख का आंकड़ा प्रचारित किया जा सके। कड़वी सच्चाई यह है कि ये दस लाख इन डेढ़ सालों की नौकरी हैं ही नहीं। ये वो भर्तियों हैं जिनको निकले चार पाँच साल तक हो चुके हैं।

अनुपम ने आक्रोश व्यक्त किया कि दुनिया के सबसे युवा देश में युवाओं के साथ इस कदर धोखा और भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। भारत में बेरोज़गारी आज एक राष्ट्रीय आपदा का रूप ले चुकी है। लेकिन इस गंभीर संकट के समाधान की बजाए, सरकार जुमलेबाजी में लगी है। देश के कोने कोने में बेरोज़गार युवा अपने भविष्य को लेकर अंधकार में हैं।

अनुपम अपनी युवा हल्ला बोल टीम के जरिए इसी असंतोष और आक्रोश को एक देशव्यापी आंदोलन की शक्ल देने के लिए ज़मीन तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में मीडिया और संचार में अनुसंधान के दृष्टिकोण पर व्याख्यान आयोजित

नई दिल्ली। दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा डीएसजे के मानद निदेशक प्रो. जेपी दुबे की अध्यक्षता में 'मीडिया और संचार में अनुसंधान के दृष्टिकोण' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का आयोजन डॉ पूर्णिमा कुमारी और डॉ प्रियंका सचदेवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर व्याख्यान की मुख्य वक्ता शेफाली चतुर्वेदी (संचार एवं प्रसारण विशेषज्ञ) ने विद्यार्थियों को अध्ययन और व्यावहारिकता में अनुसंधान का महत्व बताते हुए कहा कि, अनुसंधान इस सुई की तरह है जो ज्ञान के विभिन्न आयामों को जोड़ उनके बीच की दूरी को कम करता है साथ ही समझने और अन्वेषण करने की क्षमता को बढ़ाने में सहायता करता है। अनुसंधान के लिए ऑडियंस को समझना, उनके सामाजिक व उनकी संस्कृति के साथ साथ उनके दैनिक जीवन, समस्याओं, भाषा, पहनावे और खान-पान को समझने व अध्ययन का बताते हुए शेफाली चतुर्वेदी ने अनुसंधान के '5 आई' और 'एक ई', इमर्सन, इंडिकेटर, आइडिया, इनसाइट, इंपैक्ट और एक्सक्यूशन की व्याख्या करते अनुसंधान के आधार के साथ साथ पूरी प्रक्रिया को समझाया कि कैसे किसी अनुसंधान की शुरुआत की जाए, कैसे पता किया जाए की हम सही राह पर आगे बढ़ रहे है, किस प्रकार इसे प्रभाव में लाया जाए और कैसे सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को किस स्तर तक प्रभावित किया जा सकता है। विद्यार्थियों द्वारा सवाल जवाब के साथ अपने कार्य अनुभव के कुछ किस्सों के साथ व्याख्यान की समाप्ति हुईं। व्याख्यान में विद्यार्थियों के साथ फैकल्टी ने भी भाग लिया।

वोटर लिस्ट रिवीजन कैंपेन की शुरुआत

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी

गौतम बुद्ध नगर। अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग कार्यक्रम के अनुसार गौतम बुद्ध नगर में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया। 1 जनवरी 2024 तक जिनकी उम्र 18 की हो जाएगी, उन्हें मतदाता बनाने के लिए अभियान पर विशेष फोकस दिया जाएगा। डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि दावा और आपत्ति के निस्तारण के बाद 5 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।
जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है।
अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए यह पुनरीक्षण का कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि 27 अक्टूबर 2023 को मतदाता सूची का आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा। दावे और आपत्ति के लिए 27 अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2023 समय निर्धारित किया गया है।
इस अवधि के दौरान 04, 05, 25 और 26 नवम्बर 2023 तथा 02 और 03 दिसम्बर, 2023 को विशेष अभियान चलाया जाएगा।
उसके बाद दावा और आपत्ति के निस्तारण के बाद 5 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि आज की डेट तक में गौतमबुद्ध नगर जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 17 लाख 53 हजार 995 मतदाता है, जबकि पोलिंग बूथों की संख्या 1804 है।

गन्ना विकास मंत्री बोले- किसानों का 90 प्रतिशत तक हुआ भुगतान

मोदीनगर। मोदी नगर पहुंचे प्रदेश के चीनी मिल एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानो का 90 प्रतिशत तक भुगतान कर कर दिया है। जब तक नए सत्र के लिए चीनी मिल चलेंगी तब तक 99 प्रतिशत गन्ना किसानों का भुगतान हो जायगा। चीनी मिल मालिकों को एक वर्ष का समय दिया गया है, यदि एक वर्ष बाद जो चीनी मिल किसानों का सात दिन के अंदर गन्ना भुगतान नहीं करेगा उन चीनी मिलों को सरकार अपने अधिकार ले लेगी। किसान सम्मेलन में उन्होंने कहा की किसानों को भी अपने बच्चों को उद्योग के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे की लोगो को रोज़गार के अवसर प्रदान हो सके। गन्ना विकास मंत्री ने किसानों को उद्धरण देते हुए कहा की यदि अडानी ,बिरला व् टाटा बैंको से लोन लेने से डरते तो आज देश को इतने बड़े बड़े उद्योग नहीं दे पाते, लेकिन भारत का आम किसान आज भी लोन लेने से डरता है।

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र के पास कोई योजना नहीं : 'आप'

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि वायु प्रदूषण से पूरे उत्तर भारत में लोगों का दम घुट रहा है लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार के पास कोई योजना नहीं है। 'आप' की वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता रीना गुप्ता ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जैसे ही सर्दी का मौसम आता है पूरे उत्तर भारत में हवा की गुणवत्ता खराब होने लगती है। सर्दी के मौसम में दमा के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। वर्ष 2019 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक अध्ययन की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के 99.5 प्रतिशत जिलों में हवा की गुणवत्ता खराब है। अगर इतनी बड़ी आपात है तो क्या केंद्र सरकार को समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाना चाहिए? इस पर केंद्र सरकार की योजना का कुछ पता नहीं है। पूरे देश में सिर्फ दिल्ली के मुख्यमंत्री ऐसे हैं जो हर साल सर्दी और गर्मी में कार्य योजना की घोषणा करते हैं। वह बताते

हैं कि आने वाले समय में दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए वह क्या-क्या कदम उठा रहे हैं।

गुप्ता ने कहा, अगर विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहर की सूची उठाएं तो उसमें 39 शहर हमारे देश से हैं। 39 शहरों में से लगभग 20 शहर उत्तर प्रदेश से हैं। उत्तर प्रदेश में वर्षों से भाजपा की सरकार है लेकिन आज तक वहां के मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को हमने वायु प्रदूषण पर बात करते नहीं देखा। जबकि दिल्ली में प्रदूषण को कम करने पर लगातार काम किया जाता है। यही वजह है कि दिल्ली की वायु में 30 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों से सुप्रीम कोर्ट उत्तर प्रदेश की सरकार से कह रही है कि ईंट के भट्टों का कुछ समाधान किया जाए क्योंकि उससे बहुत ज्यादा वायु प्रदूषण होता है।

कोर्ट ने नई तकनीक का इस्तेमाल भी करने को कहा लेकिन उत्तर प्रदेश की सरकार ने इसपर कोई कदम नहीं उठाया। आज भी एनसीआर में 2000 ईंट के भट्टे हैं जो पुरानी तकनीक से चल रहे हैं। उसमें से 150 भट्टे गाजियाबाद में हैं और 250 भट्टे मुजफ्फरनगर में हैं। इन सब भट्टों का धुआं दिल्ली में आता है।

उन्होंने कहा, हमारे देश में 39 सबसे प्रदूषित शहर होने के बाद भी केंद्र सरकार कोई भी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है। हमारी केंद्र सरकार स्मार्ट सिटी का ऐलान करती है लेकिन किसी प्रकार की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। जब हमारे बच्चे अच्छी हवा में सांस नहीं ले सकते हैं तो क्या स्मार्ट सिटी कागजों पर बनाये जाएँगे।

उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य है स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन : प्रो. योगेश सिंह

उध्मोद्या फाउंडेशन और समर्थ भारत द्वारा आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव के समापन पर बोले कुलपति

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य है। प्रो. योगेश सिंह उध्मोद्या फाउंडेशन के करियर डेवलपमेंट सेंटर द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस गतिशील और अभिनव कॉन्क्लेव ने उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र का प्रदर्शन किया है जो इच्छुक उद्यमियों को अपने सपनों को उड़ान देनें और बीज निवेश सुरक्षित करने के लिए एक मंच तैयार करता है।

कुलपति ने उद्यमशीलता अनुसंधान विचारधारा को बढ़ावा देने की पहल की सराहना करते हुए इस पहल के माध्यम से उभरते युवा उद्यमियों को उनके विचारों के क्रियान्वयन में मदद करने के लिए फाउंडेशन की टीम को बधाई भी दी। इस अवसर पर समर्थ भारत के संरक्षक भारत भूषण ने भी संबोधित किया। उनके द्वारा निर्देशित फाउंडेशन, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति प्रतिबद्ध है और प्रतिभा को पोषित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और युवा उद्यमियों का सहयोग करने में उनके अथक प्रयास इस स्टार्टअप कॉन्क्लेव को एक सफलतम उपक्रम बनाने में महत्वपूर्ण रहे हैं। इस अवसर पर नौकरी डॉट कॉम के संजीव बिखचंदानी, चाय सूटा बार के अनुभव दुबे और ऑक्सीज़ो के मालिक आशीष महापात्र के साथ-साथ कई उद्योगपति भी मौजूद रहे।

सी.बी.एस.ई इंटर स्कूल जूडो चैंपियनशिप में रुद्र कुमार ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। सी.बी.एस.ई इंटर स्कूल जूडो चैंपियनशिप में 11 साल आयु 40 किलो ग्राम वर्ग में रुद्र कुमार , आर.डी.राजपाल स्कूल द्वारका छात्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया , चैंपियनशिप का आयोजन बाल भारती पब्लिक स्कूल में किया गया सी.बी.एस.ई ऑब्जर्वर विनोद शर्मा ने विजेता को मेडल दिया!

महर्षि वाल्मीकि सामाजिक समरस्ता का संदेश देने वाले आदिकवि : परमहंस दाती महाराज

नई दिल्ली। देवली गांव में आयोजित भगवान वाल्मीकि जयन्ती के अवसर सामाजिक समरसता विचार गोष्ठी पर मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 श्री शनिधाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परमहंस स्वामी निजस्वरूपानन्दपुरी (दाती महाराज) ने कहा कि आज बड़े भगवान महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव का बहुत सुंदर अवसर है और इस मोके पर सामाजिक समरसता गोष्ठी का यह सुंदर आयोजन आदर्श नवयुवक वाल्मीकि कल्याण समिति को साधुवाद देता हु की समाज को सामाजिक समरसता की सक्त जरुरत है आज हम सब बिखर गये हे कोई अपने आपको जाट कहता है कोई ब्राह्मण तो कोई गुर्ज्जर हम सब जातियों में बट कर रह गये आज हमको एक जुट होकर भारतीय सनातन संस्कृति का सम्मान करना है और उसे आगे बढाना है आगे दाती महाराज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि सामाजिक समरस्ता का संदेश देने वाले आदि कवि हुए हैं जिन्होंने रामायण की रचना कर पूरे विश्व को पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों की मर्यादाओं का महत्व समझाने का अनूठा प्रयास किया। रामायण में जिस तरह से भगवान राम ने समाज के सभी वर्गो

को साथ लेकर व संगठित करके अत्याचार और अन्याय के खिलाफ जो युद्ध लड़ा वह आज भी हम सब के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने रामायण में वर्णित सामाजिक समरस्ता के अनेक बिंदुओं का वर्णन करते हुए कहा कि वनवास के समय सबरी माता के जूठे बेर खाना, केवट के साथ संवाद व उसकी नाव में बैठना तथा भगवान श्रीराम की केवट भक्ति के साथ ही उनकी सेना में वानरों के साथ जनजातियों को शामिल करना बताता है कि यह सब विराट हिंदू समाज की परंपरा व संस्कृति में समाहित है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति उसके स्वयं के परिवार जैसा है। अत- विशाल हिंदू समाज में किसी भी रूप में भेदभाव या आस्पृष्यता का कोई भी स्थान नहीं है। सभी लोगो को दाती जी महाराज ने महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी इस अवसर पर आदर्श नवयुवक कल्याण वाल्मीकि समिति प्रधान सुनील तंवर, महासचिव संदीप तंवर, महासचिव सतीश कुमार, दीपक तंवर सदस्य भारत सरकार, निगम पार्षद श्रीमती अनीता सतपाल सिंगल, निगम पार्षद श्रीमती ममता यादव,पूर्व विधायक विजय जॉली, पूर्व जिला अध्यक्ष आजाद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रोहतक जी, जिला अध्यक्ष दक्षिण दिल्ली राजकुमार चौटाला, अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ऐसी विभाग सुनील कुमार आदि मोजूद थे।

यमुना सुरक्षित, तभी दिल्ली सुरक्षित: दादा गुरु

1100 दिनों से निराहार दादा गुरु ने वैज्ञानिकों को किया आमंत्रित, वह आकर खुद देखें निराहार का चमत्कार

- नौ दिन की दिल्ली से मथुरा की पदयात्रा पर निकले दादा गुरू, पांच को होगा समापन
- यमुना के शुद्धिकरण के लिए यमुना तट पर किया गया पांच कुंडीय महायज्ञ, गायत्री परिवार ने किया अनुष्ठान

नई दिल्ली। नर्मदा मिशन के संस्थापक व 1,100 दिनों से निराहार पूजनीय अवधूत दादागुरू ने शनिवार दिल्ली के आईटीओ छठ घाट से मथुरा के लिए यमुना सेवा पदयात्रा शुरू की। इससे पहले वह यमुना संसद की तरफ से आयोजित पांच कुंडीय यज्ञ में शामिल हुए। यमुना नदी को स्वस्थ रखने के लिए दवा के साथ दुआ भी करने की भारतीय संस्कृति की समझ के हिसाब से बड़ी संख्या में यमुना प्रेमियों ने वरुण देव को आहुति दी। अखिल भारतीय गायत्री परिवार की तरफ से यज्ञ अनुष्ठान किया गया।

इस मौके पर दादा गुरु ने कहा कि हम यमुना जी के उसी पर के यात्री बन रहे हैं, जिस पथ का पथिक कभी गुरू और गोविंद बने थे। यह वही पर है, जिस पर चलना साधना है। यह पथ जीवन पथ है। इस पर चलने से जीवन को दिशा मिलती है, दशा में सुधार होता है। दुनिया के लिए यह नदी है, दुनिया के लिए यह बहता पानी है, हमारे लिए जिंदगी है, साक्षात भगवती है। दुनिया में हमीं लोग नदी को मां कहते हैं, हमारे गांव शहर को जीवन देती है, पालन करती है। हमें समझना होगा कि मां के बिना जीवन नहीं, हमारा अस्तित्व ही नहीं। यह वक्त की मांग है कि इस मां के आंचल को सबसे स्वच्छ बनाना है। लेकिन यह चाह कैसे पूरी होगी? सबसे बेहतर, सुरक्षित व स्वस्थ जीवन जिसने भी जिया है, वह मां के नजदीक रहकर जीया है। जो मां के निकट है, इस पर पर चला है, वही सबसे बेहतर जीवन जीया है। यदि हम अपने गांव व शहर को बेहतर रखना चाहते हैं , सुरक्षित रखना चाहते हैं, संक्रमण और आपदाओं से मुक्त रखना चाहते हैं तो यकीन मानिए कि यमुना के निकट आना पड़ेगा।

दादा गुरु के मुताबिक, जब यमुना के द्वार सुरक्षित रहेंगे, तब समझना कि हमारे गांव व शहर सुरक्षित हैं। यमुना सुरक्षित होगी, तभी दिल्ली सुरक्षित होगी। यह वैसे ही है, जैसा पैदा होने के बाद छह महीने तक हम मां के आंचल में सुरक्षित रहे। हम दुनिया को बताना चाहते हैं कि जैसे बच्चा छह महीने तक मां के आंचल से सुरक्षित रहता है, वैसे गंगा और यमुना जिंदगी भर हमारा जीवनयापन कर सकती हैं, करती हैं। हम दुनिया के ज्ञानियों को, वैज्ञानिकों को आमंत्रित करते हैं, वह आएं यमुना पथ पर और देखें कि कैसे मां के आंचल में निराहार जिया जा सकता है?। राष्ट्रवादी चिंतक केएन गोविंदाचार्य ने कहा कि समाज में चेतना, समझ और आग्रह बढ़ने की जरूरत है। तभी गंगा जी, यमुना जी और देश की नदियां अविरल बहेंगी, निर्मल रहेंगी। इसमें धर्म सत्ता की बड़ी अहमियत रही है। दादा गुरू ने नर्मदा जी के लिए इसे बखूबी निभाया है। उसी तरह अब स्वामी श्री अब यमुना जी के लिए समाज को जागरूक कर रहे हैं। वह 1,100 दिनों से जीवन के लिए नर्मदा जी के जल पर निर्भर हैं। वहीं, यमुना संसद के संयोजक रविशंकर तिवारी ने बताया कि यमुना जागरण यात्रा नौ दिन की है। दादा गुरुजी करीब 190 किमी लंबे पथ पर पदयात्रा करेंगे। मथुरा में पांच नवंबर

को यात्रा का समापन होगा, लेकिन यमुना को अविरल व निर्मल करने का अभियान जारी रहेगा। समग्रता में इसे समझने के लिए 30 नवंबर को रामलीला मैदान में बड़ा कार्यक्रम होगा। इसमें प्रकृति केंद्रित विकास के उस माडल पर चर्चा होगी, जिसके सहारे नदियों को अविरल व निर्मल किया जा सकता है। आयोजन में यमुना बाबा हरिदास, कथा वाचक अजय भाई, संतूर वादक अभय सोपोरी, लक्ष्मी बाई कालेज की प्रिंसिपल प्रो. प्रत्यूष वत्सला, समाज सेवी कन्हैया गर्ग व शशि त्रिपाठी ,नदी संवाद के संयोजक जीव कांत झा, नमामि गंगे के भरत पाठक, युनाइटेड हिंदू फ्रंट के जय भगवान गोयल, राष्ट्र जागरण अभियान की सुबुही खान, पालम 360 खाप पंचायत के प्रधान सुरेंद्र सोलंकी, झुग्गी झोपड़ी एकता मंच के अध्यक्ष जवाहर सिंह, यमुना प्रेमी सरदार पंकज सिंह, राजीव रूपक शर्मा, विनय दास समेत बड़ी संख्या में यमुना प्रेमी मौजूद थे। इसके बाद दादा गुरू की अगुवाई में दिल्ली से मथुरा के लिए यमुना यात्रा निकली।

संपादकीय

भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा

कतर पुलिस ने भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को इस आरोप में गिरफ्तार कर लिया कि वे इजराइल के लिए कतर की पनडुब्बी परियोजना की जासूसी कर रहे थे।

कतर की अदालत द्वारा भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाए जाने को लेकर भारत सरकार की चिंता स्वाभाविक है। ये सभी अधिकारी कतर की एक निजी नौसेना कंपनी में नौकरी करने गए थे। वह कंपनी कतर की नौसेना को प्रशिक्षण देती है। मगर पिछले साल कतर पुलिस ने इन अधिकारियों को इस आरोप में गिरफ्तार कर लिया कि वे इजराइल के लिए कतर की पनडुब्बी परियोजना की जासूसी कर रहे थे।

इन्होंने कई बार जमानत की अर्जी लगाई, मगर हर बार उसे खारिज कर दिया गया। अब वहां की अदालत ने इन अधिकारियों को फांसी की सजा सुना दी है। भारत सरकार का कहना है कि वह उनके परिजनों से लगातार संपर्क में है और कतर में उन्हें जो भी राजनयिक मदद मुहैया कराई जा सकती है, सब कराई जाएगी। हालांकि कतर की तरफ से इन अधिकारियों के संबंध में भारत को कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

कतर की अदालत के इस फैसले को लेकर स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच इस फैसले को भारत के विरुद्ध बदले की भावना से उठाए गए कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ लोग इसमें पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आइएसआइ की साजिश भी मान रहे हैं।

कतर कट्टर इस्लामिक देश है। आपराधिक मामलों को लेकर वहां के कानून बेहद सख्त हैं। जासूसी के लिए वहां के कानून के मुताबिक फांसी की सजा मुकर्रर है। अब भारत सरकार का नैतिक दायित्व है कि वह अपने नागरिकों के बचाव में अंतरराष्ट्रीय अदालत में अपील करे। हालांकि यह कोई पहला या अनोखा मामला नहीं है। ज्यादातर देश अपने यहां काम कर रहे विदेशी नागरिकों को शक की नजर से देखते हैं।

खासकर दुश्मन देश के नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगा कर सजा सुनाने के मामले अक्सर सामने आ जाते हैं। पाकिस्तान कई बार भारतीय नागरिकों को जासूस बता कर सजा सुना चुका है, मगर भारत सरकार ने उससे निपटने की हर कोशिश की है। हालांकि कतर के साथ भारत के वैसे संबंध नहीं हैं, जैसे पाकिस्तान से हैं। कतर की कुल आबादी का करीब एक चौथाई हिस्सा भारतीय नागरिकों का है, जो वहां काम करते हैं। कतर भारत का सबसे बड़ा गैस निर्यातक है। इस तरह दोनों के बीच कभी कोई तल्खी भी नहीं देखी गई। मगर हाल के कुछ वर्षों में जैसी स्थितियां बनी हैं और इजराइल से भारत की नजदीकी बढ़ी है, उसमें कतर का रुख कुछ बदला हुआ नजर आने लगा है।

कतर फिलिस्तीन का समर्थक है और इजराइल उसे फूटी आंखों नहीं सुहाता। वह इस्लाम के विरुद्ध किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं करता। ऐसे में जब भारत ने हमास के हमले की निंदा की, तो उसे नागवार गुजरा होगा। फिर मध्यपूर्व से होकर भारत के व्यापारिक मार्ग खुलने को लेकर भी वह नाखुश रहता है। पाकिस्तान से उसकी काफी नजदीकी है। इसलिए पाकिस्तान के उकसावे के कयास को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता।

मगर इन कयासों के आधार पर कतर की नीयत को लेकर कोई दावा करना जल्दबाजी होगी। भारत फिलिस्तीनी संप्रभुता की वकालत करते हुए वहां आपदा राहत सामग्री भेज चुका है। फिलहाल भारत के सामने प्रमुख समस्या है कि वह कैसे अपने नागरिकों को फांसी की सजा से बचाए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयासों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अदालत में भी पुरजोर तरीके से अपना पक्ष रखना पड़ेगा।

पाकिस्तान को उकसाने वाली हरकतों से बाज आने की जरूरत

बीते दस दिनों के भीतर पाकिस्तान की ओर से यह युद्ध विराम के उल्लंघन की यह दूसरी घटना है।

सीमा पर उकसावे वाली हरकतें करना एक तरह से पाकिस्तान की फितरत बन गई है। वह बिना कारण के भी भारत की ओर गोलीबारी करना शुरू कर देता है। यह न केवल भारत के खिलाफ उसकी मंशा का सबूत है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों की उसे कोई परवाह नहीं है।

गौरतलब है कि गुरुवार की रात को जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में पाकिस्तान ने मनमाने तरीके से युद्ध विराम का उल्लंघन किया। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रात करीब आठ बजे पाकिस्तानी रेंजरों ने भारत की पांच चौकियों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जो सात घंटों तक चलती रही।

हालांकि भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया, लेकिन इस बीच एक स्थानीय निवासी महिला और बीएसएफ के एक जवान घायल हो गए। इस दौरान रिहाइशी इलाकों में भी मोर्टार दागे गए, जिससे कुछ घरों की दीवारें ढह गईं। हालांकि ऐसा करने की पाकिस्तान की आदत पुरानी है, लेकिन उसकी ताजा हरकत से फिर यही साफ होता है कि वह किसी खास मंशा से बेवजह भारत को उकसाने की कोशिश कर रहा है।

गौरतलब है कि बीते दस दिनों के भीतर पाकिस्तान की ओर से यह युद्ध विराम के उल्लंघन की यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी इसी इलाके में पाकिस्तानी रेंजरों ने बिना वजह गोलीबारी की थी, जिसमें बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी, 2021 के बाद अब तक पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर सहित कई अन्य इलाकों में युद्ध विराम का उल्लंघन कर चुका है। पाकिस्तान की हताशा समझी जा सकती है।

दरअसल, उसकी ओर से गुरुवार को की गई गोलीबारी से कुछ ही घंटे पहले भारतीय सुरक्षा बलों ने लश्करे-तैयबा के पांच आतंकियों को मार गिराया था। ये आतंकी माछिल सेक्टर में भारत की सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जाहिर है, आतंकियों की घुसपैठ की इस कोशिश के नाकाम हो जाने और उनके मारे जाने के बाद पाकिस्तानी सीमा पर मौजूद रेंजरों की छटपटाहट बढ़ गई और उसी क्रम में उन्होंने यह खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि उनकी इस हरकत का नतीजा क्या निकलेगा। दरअसल, बमबारी के जरिए वह भरतीय सुरक्षा बलों का ध्यान बंटा कर आतंकियों की घुसपैठ कराना चाहता था।

सवाल है कि अगर भारत इसे बिना किसी कारण के युद्ध के लिए उकसाने की कार्रवाई बताए, तब इसे कैसे महज एक प्रतिक्रिया कहा जाएगा! विचित्र है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आए दिन पाकिस्तान खुद को एक पीड़ित के रूप में पेश करता और भारत पर निराधार आरोप लगाता रहता है। हालांकि उसकी ओर से ताजा बमबारी जैसी उकसावे वाली गतिविधियों के बारे में दुनिया के ज्यादातर जिम्मेदार देश समझते हैं और यही वजह है कि अब उसके रोने-धोने को गंभीरता से नहीं लिया जाता। संयुक्त राष्ट्र भी ऐसी हरकतों के खिलाफ चेतावनी जारी कर चुका है।

मगर यह समझना मुश्किल है कि भारत के साथ घोषित युद्ध विराम के बावजूद पाकिस्तान को इसका खयाल रखने की जरूरत क्यों नहीं महसूस होती है। पहले ही उस पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि लश्करे-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे कई आतंकी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। कई स्तर पर खुद आम पाकिस्तानी लोग भी आतंकवादी संगठनों के आत्मघाती हमलों का शिकार होते रहे हैं। फिर भी पाकिस्तानी शासकों को अपनी आदत में सुधार लाना जरूरी नहीं लगता।

जाति के जंजाल से आखिर क्यों बाहर नहीं निकलना चाहता भारतीय समाज ?

बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी।

यह संयोग ही है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तभी जातीय जनगणना के नाम पर जातिवादी राजनीति तेज हो गई है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ये जाति आखिर क्यों नहीं जाती ? इसको लेकर हमारे स्वाधीनता सेनानी क्या सोचते थे। स्वाधीन भारत की पहली जनगणना 1951 में हुई। इससे पहले देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1950 में स्पष्ट कहा था कि जातियों की गिनती नहीं होने जा रही है और भविष्य में कभी जातिगत जनगणना नहीं होगी। उनके बाद एचएम पटेल, वाईबी चव्हाण और ज्ञानी जैल सिंह केंद्रीय गृहमंत्री बने। बिहार के नेता बीपी मंडल ने इन तीनों गृह मंत्रियों को जातियों की गणना कराने की मांग करते हुए पत्र लिखे थे, पर किसी ने पटेल के निर्णय को पलटना उचित नहीं समझा। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो यंग इंडिया के 1 मई, 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।

बापू की इस भावना का संविधान

सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। जातीय गोलबंदी की राजनीति को जाति आधारित जनगणना में अपनी राह दिखने लगी। आश्चर्य नहीं कि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर 1980 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले बीपी मंडल ने भी यह मांग सामने रखी। यह बात और है कि तब के गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने इसे नामंजूर कर दिया था। अंग्रेजों ने 1931 में जो जनगणना कराई, जिसका आधार जाति वैमनस्य फैलाना भी था। आजादी के बाद जब 1951 की जनगणना की तैयारियां हो रही थीं, तब भी जाति जनगणना की मांग उठी। लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने इसे खारिज कर दिया। पटेल ने कहा था, जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है। इसका समर्थन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू, डॉ. बीआर आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया। इसके पहले संविधान सभा की एक बहस में भी पटेल गांधी जी के विचारों के मुताबिक आगे बढ़ने की मंशा जताते हुए जाति आधारित आरक्षण की मांग को खारिज कर चुके थे। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं था। उसमें सामाजिक सुधार के भी मूल्य निहित थे। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भावी भारत का सपना देखा, उसमें जातिवाद की गुंजाइश नहीं थी। संविधान और कानून के सामने सभी बराबर थे। हालांकि आजादी के बाद विशेषकर समाजवादी धारा की राजनीति जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परोक्ष रूप से जातिवादी राजनीति को ही बढ़ावा देती रही।

डॉक्टर लोहिया जाति तोडने् की बात करते थे, लेकिन उनके अनुयायियों ने उनके नारे को सतही तौर पर स्वीकार किया। लोहिया मानते थे कि आर्थिक बराबरी होते ही जाति व्यवस्था खत्म तो होगी ही, सामाजिक बराबरी भी स्थापित हो जाएगी।

जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू हुईं तो जातीय राजनीति ने इसमें अपने लिए मौका देखा। हर जाति राजनीतिक अधिकार पाने के लिए अपने खोल को मजबूत करने में जुट गई। यह उलटबांसी ही है कि जिस जयप्रकाश आंदोलन से निकली गैर-कांग्रेसी सरकार ने मंडल आयोग गठित किया, उसी आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण के गांव सिताबदियारा में 1974 में हुई एक बैठक में जातिवादी व्यवस्था तोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास करने का प्रस्ताव पारित हुआ था।

तब जयप्रकाश ने नारा दिया था, जाति छोड़ो, पवित्र धागा तोड़ो, इंसान को इंसान से जोड़ो। जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद इन प्रयासों में तेजी आनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। क्योंकि जाति तोड़ने की बात करने वाली राजनीति के अधिकांश अनुयायी जातियों की गोलबंदी में अपना भविष्य देख रहे थे। इसका आभास चंद्रशेखर को था, इसलिए उन्होंने जयप्रकाश से आशंका जताई थी कि आने वाले दिनों में आंदोलनकारी अपनी-अपनी जातियों के नेता के तौर पर पहचाने जाएंगे। जातीय गोलबंदी को और आक्रामक रूप बाबू कांशीराम ने दिया। उनका नारा था, जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।

वर्तमान जातीय जनगणना की जिद्द भी इसी सोच का विस्तार है। इसके लिए तर्क दिया जाता है कि इससे सामाजिक न्याय मिलना संभव होगा। जबकि वास्तविकता यह है कि केंद्रीय सूची में पिछड़ी जातियों की कुल संख्या 2633 है। देश में जाति आधारित जनगणना होती है तो ये जातियां अपने-अपने खोल मजबूत करने में जुट जाएंगी क्योंकि इन सभी जातियों के नेताओं को अधिक से अधिक हिस्सेदारी की उम्मीद होगी। जातिगत लामबंदी के दौरान राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, साम्प्रदायिक सौहार्द आदि आदर्श स्थिति का क्या होगा इसका अनुमान लगाना अधिक मुश्किल नहीं है।

आश्चर्य की बात है कि नीतिश कुमार व लालू प्रसाद यादव जैसे लोहियावादी नेताओं के जातिवादी भोंपू में अब कांग्रेस के भी मिले-जुले स्वर सुनाई देते हैं, ये वही कांग्रेस है जिनके नेता गांधी जी, सरदार पटेल, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कभी जातिवादी जनगणना को खतरनाक बताया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल की जातिवादी राजनीति देश व समाज के लिए घातक ही साबित होगी।

अधिकारी और कर्मचारी के बीच हो नियमित संवाद

डॉ. नन्दकिशोर साह

कई संस्थानों में कर्मचारियों के बीच आपस में दोस्ताना व्यवहार होता है, तो कई बार दुश्मनी वाला हो जाता है। कुछ कर्मचारी एक-दूसरे को बहुत सहयोग करते हैं, तो कुछ साजिशें रचते रहते हैं। अपना कार्य पूरा हो न हो, दूसरे का बिगड़ने में लगे रहते हैं। छोटी-मोटी चीजें तो हर संस्थान में होती हैं। कर्मचारी भी इस बात को समझते हैं, इसलिए हर बात की शिकायत अपने वरिष्ठ अधिकारियों से नहीं करते है। वे अपने स्तर पर इन परिस्थितियों से निपट लेते हैं, लेकिन कई बार यह दबाव कर्मचारी संभाल नहीं पाते। ऐसे में वे डिप्रेशन का शिकार हो जाते।

कुछ लोग चिड़चिड़े हो जाते हैं, तो कुछ बातचीत एकदम बंद कर देते हैं। इन सब बातों का सीधा असर काम और माहौल पर पड़ता है। इसके लिए संस्था के अधिकारियों को चाहिए कि वे समय-समय पर अपने सभी कर्मचारियों से बात करें। उनसे छोटी ही सही, लेकिन पर्सनल मीटिंग जरूर करें। इससे उन्हें यह पता चलता रहेगा कि किस कर्मचारी को क्या समस्या है? क्या उसे कोई परेशान कर रहा है? अगर परेशान कर रहा है और काम पर असर भी पड़ रहा है, तो इस बात का क्या इलाज है? उसे कर्मचारियों में कौन -सा व्यक्तिगत हुनर है, जो संस्था को लाभ पहुंचा सकता है। इसकी जानकारी सीनियर अधिकारियों को रखनी चाहिए। कई संस्थाओं के अधिकारी अपनी ही धुन में रहते हैं।

वे निचले स्तर के लोगों से बात करना उचित नहीं समझते। उन्हें लगता है कि हर कर्मचारी से बात करने से वे सिर पर चढ़ जायेंगे और छोटी-मोटी परेशानियां ले कर आने लगेंगे। यही वजह है कि कर्मचारी भी समस्याओं को अपने ही स्तर पर रखते हैं। चीजें सहन करते जाते हैं और जब उनकी सहनशक्ति टूट जाती है, तो वे कोई गलत कदम उठा लेते हैं या संस्था ही छोड़ देते हैं।

कई अधिकारी को लगता है कि हमारी संस्था में सब ठीक चल रहा है, सब खुश दिख रहे हैं। वास्तव में ऐसा होता नहीं है। कई बार राजनीति नजर नहीं आती। लीडर का काम है कि वह सतर्क रहे और सभी कर्मचारियों के व्यवहार पर नजर रखे। किसी के साथ भी भेदभाव न होने दे। जब आप सभी लोगों से संपर्क में रहेंगे, तो राजनीति करने वाले कर्मचारी डर कर रहेंगे। वे दूसरों के खिलाफ साजिशें कम रचेंगे। अच्छे लोग मन लगा कर काम कर पायेंगे।हर संस्था में कुछ लोग अच्छे होते हैं, तो कुछ बुरे भी। हमें दोनों ही तरह के लोगों से काम करवाना है। इसलिए हमें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। ऑफिस में कुछ लोग काम कम और राजनीति ज्यादा करते हैं। ऐसे लोगों पर नजर रखें और देखें कि कहीं वे किसी को नुकसान न पहुंचाएं। अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच नियमित संवाद ज़रूरी है।

वाह रे प्याज ! अब आंसुओं के सरताज

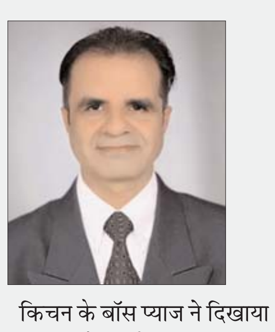

किचन के बॉस प्याज ने दिखाया दम ! महंगाई का फोड़ा बम

नवरातत्रा समाप्त होते ही त्योहारों के सीजन की दस्तक में प्याज के भाव आसमान छूने लगे ! - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - भारत में नवरात्र के 9 दिन धूमधाम से चलने वाले इस महापर्व में ज्यादातर हिंदू परिवारों में इन दिनों में व्रत रखे जाते हैं और प्याज लहसुन आदि कुछ सब्जियों व वस्तुओं का सेवन नहीं किया जाता जिसके कारण इनके दाम कम हो जाते हैं या स्थिर रहते हैं,क्योंकि इनकाइस्तेमाल नहीं होने से खपत बहुत कम हो जाती है, और प्याज की कीमतें अनेको दिनों तक कम ही रहती है, परंतु इस बार नवरात्रा समाप्त होने के दूसरे दिन ही प्याज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के साथ ग्राफ बढ़ता जा रहा है। जब मैं नवरातत्रा समाप्ति के दूसरे दिन सब्जी मंडी में गया तो प्याज का भाव सुनकर स्तब्ध रह गया क्योंकि नवरात्रा के एक दिन पहले ही मैं 26 रुपए प्रति किलो के रेट से प्याज खरीदे थे, इस महंगाई का कारण मेरी समझ से परे है !सब्जी वाले से बात करने पर उन्होंने बताया कि इस बार प्याज 100 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक तक जाने की संभावना है। हालांकि सरकार ने दिनांक 19 अगस्त 2023 को वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचना क्रमांक 47/2023 सीमाशुल्क जारी कर प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है जो तत्काल प्रभाव से 31 दिसंबर 2023 तक जारी रहेगा, क्योंकि एक जानकारी के अनुसार जनवरी-मार्च 2023 में प्याज का निर्यात 8.2 लाख टन रहा जबकि यही पिछली अवधि यानें जनवरी-मार्च 2022 में 3.8 लाख टन था। भारत में टमाटर और प्याज को स्वाद याने टेस्ट की चाबी माना जाता है जो भोजन रूपी दरवाजे और उसके स्वाद को प्याज टमाटर रूपी चाबी से खोला जाता है। यानें यह दोनों नहीं रहे तो मेरा मानना है कि अमीर से गरीब व्यक्ति तक को भोजन के स्वाद में कुछ ना कुछ कमीं महसूस करने को मिल जाएगी, इसका अनुभव घर के होम मिनिस्टर यानें महिलाओं को अधिक अनुभव होना लाजमी है, क्योंकि बिना प्याज टमाटर के सब्जी बनाना कितना मुश्किल होता है इनसे अधिक कोई नहीं जान सकता। क्योंकि यदि सब्जी में प्याज किसी को वर्जित है तो उसका अल्टरनेट टमाटर है और टमाटर का अल्टरनेट प्याज है, यदि दोनों ही नहीं हो तो स्वाद की चाबी गुम समझो ! चूंकि अभी प्याज एकाएक 60 -70 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी और मेरी ग्राउंड रिपोर्टिंग के आधार पर हम चर्चा करेंगे वाह प्याज ! अब आंसुओं के सरताज।

साथियों बात अगर हम प्याज की महंगाई के क्रमिक रूप से बढ़ती भारी कीमतों को समझने की करें तो, टमाटर के बाद प्याज ने रुलाने की प्लानिंग शुरू कर दी है। बीते 15 दिनों में लासलगांव एपीएमसी में प्याज की थोक कीमतों में 58 फीसदी का इजाफा हो चुका है। खास बात तो ये है पिछले हफ्ते ही प्याज की कीमत में 18 फीसदी का इजाफा हुआ है। दिसंबर महीने तक प्याज के दाम में तेजी देखने को मिल सकती है। दो दिन पहले तक, लासलगांव मार्केट में में प्याज की औसत कीमत 38 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो दो सप्ताह पहले 24 रुपए प्रति किलोग्राम से 58 प्रतिशत अधिक है. इससे पहले जुलाई और अगस्त के महीने में टमाटर की कीमत आसमान पर पहुंच गई थी। जिसकी वजह से आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। महंगाई की वजह से सरकार के माथे पर बल पड़ने शुरू हो गए थे। अब प्याज रुलाने की तैयारी कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 25-50 फीसदी तक बढ़ गई हैं। फिलहाल प्याज 60-70 रुपये किलो बिक रहा है। बुधवार को दिल्ली के साथ-साथ महाराष्ट्र के कुछ बाजारों में अच्छी क्वालिटी वाले प्याज की उच्चतम कीमत 70 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। अहमदनगर में, 10 दिनों में प्याज की औसत कीमतें लगभग 35 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 55 रुपए प्रति किलो हो गई हैं। इसी तरह, महाराष्ट्र के अधिकांश प्याज उत्पादक जिलों में प्याज की थोक कीमतें अब 45 से 48 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज की कीमतें दिसंबर तक बढ़ने का अनुमान है, साथ ही नई खरीफ फसल के आने में भी देरी हो रही है, जो लगभग दो महीने की देरी से आने की उम्मीद है. बाजारों में प्याज की घटती आवक प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक पखवाड़े में, भंडारित प्याज की आवक में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो लगभग 400 वाहन प्रति दिन (10 टन प्रत्येक) से घटकर लगभग 250 वाहन हो गई है।

साथियों बात अगर हम नई प्याज आने की करें तो, यह स्थिति बनी रहने की उम्मीद है क्योंकि खरीफ सीजन से नए लाल प्याज की आवक में लगभग दो महीने की देरी हो रही है। बता दें केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगा दिया था, इसके अतिरिक्त, सरकार ने बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नेफेड द्वारा खरीदे गए प्याज को मौजूदा बाजार दरों से कम पर थोक बाजारों में बेचना शुरू कर दिया था। साथियों बात अगर हम प्याज पर निर्यात शुल्क 40 प्रतिशत लगाने के कारणों की करें तो, इस साल जनवरी से मार्च 2023 की अवधि में प्याज का निर्यात असाधारण रूप से उच्च स्तरपर लगभग 8.2 लाख टन रहा है, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 3.8 लाख टन था।सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में मानसून के देरी से आने के कारण खरीफ की बुआई में देरी हुई।यही कारण रहा है कि प्याज समेत अन्य जरूरी सब्जियों की औसत खुदरा कीमत एक महीने पहले के 25 रुपये की तुलना में बढ़कर 30 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इससे पहले, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) ने भी महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से 1.50 लाख टन प्याज की खरीद की थी। इसके अलावा, प्याज की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए सरकार ने पायलट आधार पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की मदद से इसका विकिरण शुरू किया। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 से 2023-24 के बीच उच्च खपत वाले क्षेत्रों में रबी सीजन की खरीद के कारण प्याज का वार्षिक बफर एक लाख टन से तीन लाख टन तक होगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, प्याज बफर ने उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और मूल्य स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत को प्याज की लगभग 65 प्रतिशत आपूर्ति रबी सीजन से प्राप्त होती है, जिसकी कटाई अप्रैल-जून के दौरान होती है और अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल की कटाई होने तक उपभोक्ताओं की मांग को पूरा किया जाता है।

शार्ट न्यूज़

गोवंश के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर। नोनहरा थाना पुलिस ने गोवंश, पिकप और स्कार्पियो के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया। शुक्रवार की शाम को नोनहरा थाना प्रभारी ने अपने पुलिस टीम के साथ 8 गोवंश बौरी पुल के पास से मुखबीर की सूचना पर बरामद किया। इस दौरान उन्होंने एक पिकप व एक स्कार्पियो को मौके से बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम लालू यादव उर्फ शुभम यादव पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी रामपुर अछार थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ उम्र करीब 22 वर्ष, हाशिम नट पुत्र जुम्मन नट निवासी तराँव थाना चन्दवक जनपद जौनपुर उम्र करीब 31 वर्ष, मुफिद पुत्र सेवक निवासी तराँव थाना चन्दवक जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष, बृजमोहन यादव उर्फ मोनू पुत्र उमाशंकर यादव निवासी रामपुर अछार थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ उम्र करीब 25 वर्ष और राजेश कुमार पुत्र महेन्द्र कुमार निवासी भुड़की थाना देवगाँव जनपद आजमगढ़ उम्र करीब 25 वर्ष है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में नोनहरा थाना उप निरीक्षक सुदामा प्रसाद, कांस्टेबल सोनू गौड़, कां. आदर्श यादव, का. प्रवेश गौड़, कां. कासिम सिद्दीकी, कां. आलोक वर्मा, हेड कांस्टेबल विनय यादव, हे.का. शैलेन्द्र यादव, का. प्रमोद सरोज और का. राकेश सोनकर शामिल रहे।

दीपावली व छठ पूजा पर रेल विभाग ने यात्रियों की सुविधाओं को जारी किये आदेश

जौनपुर। भारतीय रेल ने आगामी त्योहार सीजन दीपावली व छठ पूजा की यात्रियों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा व यात्रा को सुगम सरल बनाने के लिए विभिन्न दिशा निर्देश जारी किये हैं। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल रेखा शर्मा के कुशल दिशा निर्देश के संदर्भ में जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जौनपुर जंक्शन के मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक अनुराग तिवारी ने आज बताया कि दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर वाणिज्य कर्मचारियों को रेल यात्रियों की सुविधाजनक और सरल रेल यात्रा हेतु ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठ सेवा व भारतीय रेल की छवि उत्कृष्ट रखने हेतु हर पटल पर यात्रियों के साथ सहयोगी व्यवहार रखने के दिशा निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि तत्काल आरक्षित टिकटों हेतु पहले आओ पहले पावो के आधार पर कतार बद्ध आरक्षण आवेदकों को ही मिलेंगे । क्लोन और स्पेशल गाड़ियों की सूचना रेलवे द्वारा न्यूज़ पेपर और सोशल मीडिया के द्वारा प्रसारित व प्रचारित की जाती रहती है। पूछताछ कार्यालय से समस्त गाड़ियों के आगमन प्रस्थान प्लेटफॉर्म कोच पोजीशन की जानकारी व उद्घोषणा सही और सुनिश्चित समय पर बार बार प्रसारित किया जाएगा।

बस्ती में सेवा चयन आयोग प्रारंभिक परीक्षा के दौरान फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले मे उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रारंभिक परीक्षा-2023 के दौरान परीक्षा केन्द्र आरसीसी पब्लिक स्कूल गनेशपुर में एक फर्जी परीक्षार्थी को वाल्टरगंज थाने की पुलिस द्वारा शनिवार को गिरफ्तार किया गया । पुलिस सूत्रो ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रारंभिक परीक्षा-2023 वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के आरसीसी पब्लिक स्कूल गनेशपुर मे चल रही थी जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि परीक्षार्थी रामहृदय पटेल अनुक्रमांक 01206253 निवासी पड़ियापार जनपद देवरिया के स्थान पर अजय कुमार निवासी बदहाखाल (बरदहा) थाना बाबू बरही जिला मधुबनी बिहार परीक्षा दे रहा है । इस फर्जीवाड़े की जानकारी होते ही परीक्षार्थी को तुरन्त गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्व आइपीसी की धारा 419,420,467,468,471,120 बी तथा सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन

गोरखपुर। गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही गोरखपुर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गीता प्रेस, गोरखपुर के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल (90) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने उनके बेटे देवी दयाल अग्रवाल से बात कर सांत्वना दी। बैजनाथ अग्रवाल ने शुक्रवार की रात करीब 2.30 बजे गोरखपुर के हरिओम नगर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि विगत 40 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।% सीएम ने परिजनों से बातकर उन्हें ढांढस बंधाया है। बता दें कि बैजनाथ अग्रवाल समाजसेवी भी रहे हैं। गीता प्रेस के माध्यम से उनका धार्मिक एवं सामाजिक जुड़ाव भी रहा है। 1950 में गीता प्रेस में बतौर कर्मचारी आए ?थे। उस वक्त उनकी उम्र सिर्फ 17 साल थी। 40 साल पहले 1983 में गीता प्रेस के ट्रस्टी बनाए गए।

प्रतापगढ़ में युवक की हत्या

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ मे खेत में शौच करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें धारदार हथियार हमला कर दिया। एक युवक गंभीर रूप घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। पुलिस ने चार अभियुक्त को गिरफ्तार किया। प्रतापगढ़ मे पिटाई से घायल व्यक्ति रामराज की इलाज के दौरान मौत हो गई है।प्रयागराज में रामराज ने दम तोड दिया।वही हत्या से अक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने शव के अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया।गांव में ही परिजन हंगामा करने लगे।सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शव का अंतिम संस्कार कराया।वही हंगामे की सूचना पर सीओ समेत तमाम अफसर भी मौके पर पहुंचे।दरअसल मामला लीलापुर थाने के जमालपुर गांव का है।जहा खेत में शौच करने से मना करने पर गांव दबंग रामराज के ऊपर हमलावर हो गए।वही दबंगो ने लाठी डंडे और धारदार हथियार से व्यक्ति रामराज की जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।वही घायल को आनन फानन में प्रयागराज के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कल शाम उसने दम तोड दिया।

बूंदी कारखाना मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी कस्बा में एक बूंदी कारखाने में गैस सिलेंडर विस्फोट के कारण मकान ध्वस्त होने और भीषण आग लगने के मामले में कारखाना मालिक के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज कर लिया गया। वादी सब इंस्पेक्टर मनोज तोमर ने बताया कि बूंदी कारखाना में अनियमित रूप से गैस सिलेंडर ,रिफाइंड, घी, भारी मात्रा में प्लाईवुड जैसे ज्वलन सील सामग्री कारखानामें मालिक सतीश केसरवानी द्वारा रखा गया था लेकिन सुरक्षा के लिए अग्निशमन यंत्र बूंदी कारखाना में नहीं लगाया गया था। प्रथम दृष्टया आरोपी द्वारा लापरवाही बरती गई जिसके चलते भीषण अग्नि दुर्घटना हुई है। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। गौरतलब है कि शुक्रवार की देर रात बूंदी कारखाना में गैस सिलेंडर विस्फोट से मकान ध्वस्त होने एवं आग लग जाने से दो सीएनजी कार एवं प्लाईवुड गोदाम जल गया था।

निराश्रित बहनों के लिए महिला पेंशन की राशि बढ़ाने की करेंगे व्यवस्था : योगी

मुख्यमंत्री ने औरैया को दी 688 करोड़ की 145 विकास परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ/औरैया। कोई समाज तब तक स्वावलंबी व सशक्त नहीं हो सकता, जब तक समाज में आधी आबादी सुरक्षित व सम्मान के साथ जीवनयापन न कर रही हो। इसे ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी प्राथमिकता के साथ नई संसद का पहला सत्र मातृशक्ति को समर्पित किया। विधानसभा व लोकसभा में उनके लिए एक तिहाई सीटें रिजर्व हों और वे चुनकर आएं। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने औरैया में कहीं। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि निराश्रित बहनों के लिए पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह दी जा रही है, जिसे आने वाले समय में बढ़ाया जाएगा।

आधी आबादी को सम्मान दिए बिना विकास की योजनाओं का मूल्य अधूरा

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर तिरंगा मैदान से जनपद को 688 करोड़ की 145 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। सीएम ने कहा कि आधी आबादी को सम्मान दिए बिना विकास की योजनाओं का मूल्य अधूरा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत बेटी के जन्म लेने से स्नातक की पढ़ाई के लिए सरकार अब तक 15 हजार रुपए दे रही है। नए सत्र से इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का निर्णय लिया जा चुका है। डबल इंजन की सरकार ने तय किया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो बेटी की जिम्मेदारी सरकार लेगी। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दो यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, बैग, किताब, स्वेटर देने की व्यवस्था तय कर दी गई है। पंजीकरण के साथ ही 1200 रुपये परिवार के अकाउंट में चले जाते हैं।

सीएम ने कहा कि जातिवाद के नाम पर परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले लोग आमजन को विकास कार्यों से वंचित रखते थे। हमने जाति-परिवार, क्षेत्र और भाषा के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न-भिन्न करने का पाप नहीं किया। विजयादशमी के दौरान शांतिपूर्वक सभी कार्यक्रम हुए। 2017 के पहले पर्व-त्योहार आशंकाओं को लेकर आता था पर साढ़े छह वर्ष में त्योहार उत्साह-उमंग से मनाए जाते हैं।

रैपिड डायग्नॉस्टिक टेस्टिंग बनेगा जांच का माध्यम

32.92 लाख किट्स की होगी आपूर्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आम लोगों तक उत्तम स्वास्थ्य निदान पहुंचाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने प्रदेश में रैपिड डायग्नॉस्टिक टेस्टिंग किट्स की आपूर्ति के लिए प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। सीएम योगी की प्राथमिकता रही है कि उत्तर प्रदेश में वायरल रोगों की टेस्टिंग व निदान के लिए उचित जांच प्रक्रिया उपलब्ध हो। इस उद्देश्य से सरकार अब 32.92 लाख से ज्यादा रैपिड डायग्नॉस्टिक टेस्टिंग किट्स की आपूर्ति की प्रक्रिया पर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमएससीएल) को इस आपूर्ति प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए निर्देश जारी किए गए थे और इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए ई-टेंडरिंग प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। उल्लेखनीय है कि एक वर्ष की आपूर्ति अवधि के लिए इस टेंडरिंग प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जा रहा है जिसके जरिए प्रदेश में रैपिड प्लाज्मा रिएजिन प्रक्रिया समेत कई प्रकार की वायरल बीमारियों की जांच के लिए जरूरी रैपिड डायग्नॉस्टिक टेस्टिंग किट्स की आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

आपूर्तिकर्ता के निर्धारण के लिए यूपीएमएससीएल द्वारा 21 अक्टूबर को टेंडरिंग प्रक्रिया की शुरूआत कर दी गई है।

इस क्रम में 2 नवंबर को एक प्री बिड मीट निर्धारित की गई है, जबकि 20 नवंबर तक इच्छुक आपूर्तिकर्ता कंपनियां इसके लिए अप्लाई कर सकती हैं। दो चरणों में होने वाली टेंडरिंग प्रक्रिया के तहत पहले चरण में टेक्निकल बिड व दूसरे चरण में फाइनेंशियल बिडिंग की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा।

अखिलेश संग समाजवादियों ने किया महर्षि वाल्मीकि को याद

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ सहित सभी जनपद कार्यालयों में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती सादगी से मनाई गई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज महर्षि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय 19 विक्रमादित्य मार्ग लखनऊ के डॉ0 राममनोहर लोहिया सभागार में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। यादव ने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी ने प्रसिद्ध रामायण महाकाव्य की रचना की जो प्रभु श्रीराम के जीवन पर पहला महाकाव्य है। श्रीराम का जीवन दर्शन हमें मर्यादित जीवन और सत्य के मार्ग पर चलकर कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी कर्तव्य पालन की शिक्षा देता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा पूर्व केन्द्रीय मंत्री, सलीम शेरवानी, महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, ऊषा मौर्य, रविदास मेहरोत्रा आदि प्रमुख नेताओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। वाल्मीकि जयंती कार्यक्रम के संयोजक सर्वश्री जुगल किशोर बाल्मीकि, दानिश सिद्दीकी, मुकुल बाल्मीकि सत्य नारायन गहेरवार, विशाल बाल्मीकि, नितिन बाल्मीकि, ऋषि बाल्मीकि, सतीश बाल्मीकि, कुनाल बाल्मीकि, गौरी शंकर, सोनू बाल्मीकि, राजीव कुमार आदि रहे।

37 परीक्षा केंद्रों पर शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हुई पीईटी परीक्षा

झांसी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा (पीईटी)-2023 की परीक्षा शनिवार को जनपद में दो पालियों में 37 परीक्षा केंद्रों पर शुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न करायी गई। दो पालियो में आयोजित होने वाली परीक्षा पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 03 बजे से शाम 05 बजे तक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी अविनाश कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस. ने नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए नेशनल हाफिज सिद्दीकी इंटर कॉलेज, सरस्वती पाठशाला इंडस्ट्रियल इंटर कॉलेज एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया और परीक्षा केन्द्र प्राचार्य/केन्द्र व्यवस्थापको एवं सभी सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वालो के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

उन्होने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर गलत अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है यदि किसी के द्वारा गलत अफवाह फैलाया जाता है तो उसके विरूद्ध भी कार्यवाही की जायेगी। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग, फोटो स्टेट की दुकानें, साइबर कैफे, पीसीओ आदि को बंद रखा गया। परीक्षा में किसी भी प्रकार का मोबाइल, इलेक्ट्रानिक सामान/उपकरण, घड़ी आदि ले जाना पूर्ण प्रतिबन्धित रहा। परीक्षा केन्द्र के मुख्य गेट पर परीक्षार्थियो की तलाशी सुनिश्चित कराते हुए किसी भी अनुचित साधन के प्रयोग को पूर्ण तरह रोका गया। मौके पर महिला परीक्षार्थियो के तलाशी के लिये विधिवत इनक्लोजर/केबिन बना कर ली जाए। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा दिये गये अनुदेशो का सभी प्राचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक, मजिस्ट्रेट भली भांति निर्देशानुसार परीक्षा को सम्पन्न कराया गया।

परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेटो के अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी गई, केन्द्र व्यवस्थापको द्वारा परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश एवं सिटिंग व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था पहले से सुनिश्चित किया गया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान केन्द्रो पर लगाये गये समस्त सी0सी0टी0वी0 कैमरा अनवरत चालू हालत में मिले।

प्रभारी निरीक्षक व चौकी प्रभारी सहित तीन पुलिस कर्मी निलंबित

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में भरत मिलाप के दौरान कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरतने पर शनिवार को गोपीगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ मीनाक्षी कात्यायन ने यहां बताया कि प्रभारी निरीक्षक गोपीगंज सदानंद सिंह व चौकी प्रभारी प्रवीण शेखर ओझा तथा बीट आरक्षी सहित तीन पुलिसकर्मियों को कर्तव्य पालन के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में निलम्बित कर दिया है।

इन पर भरत मिलाप कार्यक्रम के दौरान दो समुदायों के मध्य मार-पीट,छेड़खानी की घटना के संबंध में पुलिस उच्चाधिकारियों को समय पर घटना से जुड़े सही तथ्यों की जानकारी न देने व घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगा है।

गौरतलब है कि गुरुवार की रात गोपीगंज में आयोजित भरत-मिलाप के दौरान नाबालिग/पीड़िता के साथ छेड़खानी की बात को लेकर दो समुदायों (हिंदू मुस्लिम) के मध्य मार-पीट की घटना हो गयी थी। इस संबंध में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह, चौकी प्रभारी कस्बा गोपीगंज उप निरीक्षक प्रवीण शेखर व बीट आरक्षी आनंद वर्मा ने पुलिस उच्चाधिकारियों को ससमय घटना से जुड़े सही तथ्यों की जानकारी न देते हुए कर्तव्य पालन में घोर लापरवाही की।

मामले की जांच के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप प्रथम दृष्टया सही पाया गया। आरोप सही पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह, चौकी प्रभारी गोपीगंज उप निरीक्षक प्रवीण शेखर व बीट आरक्षी आनंद वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही का आदेश दिया हैं।

जमीनी विवाद में भतीजे ने की चाचा की हत्या

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के सरायलखंसी थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह जमीनी विवाद में एक व्यक्ति की हत्या उसके सगे भतीजे द्वारा किए जाने का मामला प्रकाश में आया। मृतक बहती यादव की पुत्री अमृता यादव ने बताया कि सुबह उसके पिता ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने पहुंचे थे। जहां उनके पटीदारों द्वारा बलपूर्वक खेत जोतने से मना कर दिया गया। इस दौरान हाथापाई और मारपीट भी हुई। घर वापस लौटने के बाद बहती यादव की तबीयत खराब हो गई, जिन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि फिलहाल मौके से पर मौजूद ट्रैक्टर चालक आठ लोगों से पूछताछ की जा रही है। सत्य और तथ्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बरेली: पशु तस्करों से पुलिस मुठभेड़, फायरिंग में सिपाही और बदमाश घायल

बरेली । उत्तर प्रदेश के बरेली में हाफिजगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर बाइक सवार पशु तस्करों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने दो बदमाशों को घायल कर दबोच लिया । इस घटनाक्रम में एक सिपाही भी घायल हो गया। एसपी ग्रामीण बरेली मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि हाफिजगंज पुलिस आज तड़के चार बजे ग्रेम गांव पास लाडपुर गौटिया मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। पीलीभीत बाईपास के पास एक बाइक को चेकिंग के लिए रोका तो बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि कांस्टेबल हीरालाल राठी भी तस्कर की फायरिंग से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों बदमाशों को मौके पर पकड़ लिया गया। पूछताछ में पता चला कि रामपुर जिला टाण्डा क्षेत्र ग्राम टोडीपुरा निवासी घायल सलीम पुत्र कलुआ और मुरादाबाद भगतपुर क्षेत्र ग्राम दोलपुरी निवासी सलीम पुत्र शकूर है। उन्होंने बताया कि बदमाशों से 315 बोर दो तमंचे, जिंदा कारतूस, बाइक और गौवध करने के उपकरण बरामद किए। पूछताछ में बदमाशों ने खुलासा किया कि उन्होंने सुन्दरी गांव में अपने साथी समीर, कुंजी और दो अज्ञात साथियों के साथ गौकशी की थी। घायल सलीम और कांस्टेबल हीरालाल राठी को उपचार के लिए सीएचसी नवाबगंज भेजा। यहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। सभी बदमाशों के खिलाफ हाफिजगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस फरार चार तस्करों की तलाश में जुटी है।

गोंडा में जाम में फंसे हजारों परीक्षार्थी

गोंडा। गोंडा जिले में आज आयोजित पीईटी की परीक्षा दोनों पालियों में संपन्न हो गई है। प्रथम पाली की परीक्षा में 13680 परीक्षार्थियों की जगह 10218 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी तो वहीं 3462 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी थी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा में 13680 परीक्षार्थियों की जगह 10134 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी तो वही 3541 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। जिले के सभी परीक्षा नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के साथ परीक्षार्थियों की जांच की भी कड़ी निगरानी शासन द्वारा की जा रही थी। जिले की दोनों पालियों में संपन्न हुई परीक्षा में कोई भी मुन्ना भाई दूसरे की जगह परीक्षा देते हुए नहीं पकड़ा गया है। दूसरी पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद अपने घरों को जाने के लिए परीक्षार्थी जाम में फंसे हुए हैं और कई किलोमीटर तक लंबा जाम भी लगा हुआ है। गोंडा जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों को सकुशल घरों तक पहुंचाने के लिए किया गया रूट डायवर्ट पूरी तरीके से फेल होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि यह वही छात्र हैं जो अपने घरों से सुबह निकालकर यहां पर परीक्षाएं देने आए थे, लेकिन अब जब यह परीक्षा देकर के अपने घर की तरफ निकले हैं तो इनको जाम का सामना करना पड़ा है और अभी भी घंटों जाम लगा हुआ है। कल भी जिले के 30 परीक्षा केंद्रों पर 27360 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी है यह सभी परीक्षार्थी जिले बस्ती और अयोध्या के रहने वाले हैं।

9वीं के छात्र ने 7वीं के छात्र की हत्या की

दोनों एक स्कूल में पढ़ते थे, सीने में घोंपा चाकू; माफिया दुर्लभ कश्यप का फैन है हत्यारोपी

देवरिया। देवरिया में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां 9वीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र ने 7वीं के छात्र की चाकू घोपकर हत्या कर दी। दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। वारदात के बाद आरोपी छात्र मौके से फरार हो गया। आरोपी हिंदू जबकि मृतक छात्र मुस्लिम है। दोनों नाबालिग हैं। गांव में सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए भारी संख्या में फोर्स लगा दी गई है। हत्या की वजह क्या थी ? यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। पूरा मामला जिला मुख्यालय से 30 किमी. दूर बाबू पट्टी के तरकुलवा थाने का है। वारदात शुक्रवार शाम 6 से 7 बजे के बीच की है। गांव में निजामुद्दीन का परिवार रहता है। निजामुद्दीन चेन्नई में काम करते हैं। उनका इकलौता बेटा सैफ अली (14) अपनी मां के साथ रहता था। वह 7वीं का छात्र था। सैफ के चाचा कयामुद्दीन की गांव के चौराहे पर सिलाई की दुकान है। सैफ शुक्रवार सुबह स्कूल गया था। इसके बाद दोपहर में वहां से लौटकर घर आया। शाम को चाचा की दुकान पर बैठा था।

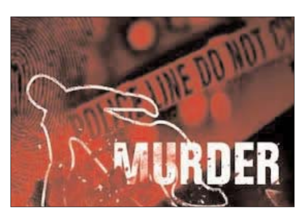

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुकान पर गांव का ही 14 साल का लड़का पहुंचा। वह सैफ के ही स्कूल में पढ़ता था। उसने पहुंचते ही सैफ को दुकान से बाहर बुलाया। जैसे ही सैफ बाहर आया। 2-4 मिनट दोनों में बातचीत हुई। इसके बाद अचानक से जेब से चाकू निकाला और सैफ के सीने में घोप दिया। सैफ लहुलूहान को होकर जमीन पर गिर गया और तड़पने लगा। आसपास के लोगों ने आरोपी छात्र को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन उसने उन्हें भी चाकू दिखाकर डरा दिया और वहां से फरार हो गया। वहीं, छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बाद में आरोपी छात्र और उसके परिजनों को हिरासत में ले लिया।

रामपुर में 10 आयकर टीमों की मैराथन रेड जारी

एजेंसी

रामपुर। रामपुर में पूर्व मंत्री आजम खां के 13 करीबी ठेकेदारों के घर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की छापामारी जारी रही। शनिवार देर रात तक जांच पड़ताल जारी रही। शहर में मैराथन जांच पड़ताल 10 टीमें कर रही हैं। टीमों ने सोने की वैल्यूएशन के लिए लखनऊ से टीम बुलाई है।

दावा है कि कई अहम सवालों के जवाब लेकर ही टीम लौटेगी। आयकर विभाग की टीमों में दिल्ली, लखनऊ और बरेली के अधिकारी शामिल हैं। शहर में शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे से आयकर विभाग की टीम छानबीन में जुटी हुई हैं। शहर के मोहल्ला खारी कुआं पर ग्राम खानपुर के पूर्व प्रधान अनोखे अली के आवास पर छापेमारी जारी है। इसके अलावा मोहल्ला घेर तोगां स्थित गालिब नूर ठेकेदार, घेर नज्जू खां स्थित असद खां ठेकेदार, माला रोड स्थित पूर्व सभासद फरहत अली खां ठेकेदार, लाल मस्जिद स्थित शीराज खां ठेकेदार, बाग छोटे साहब स्थित शाहीन खां ठेकेदार, काजी की गली स्थित हाजी सदाकत, अजीतपुर स्थित कृष्ण गोपाल सक्सेना ठेकेदार, शाहबाद गेट स्थित इदरीस, डायमंड सिनेमा स्थित जुनैद खां, नोवा अस्पताल के निकट इस्लाम ठेकेदार, ग्राम मुरसैना निवासी हनीफ ठेकेदार के अलावा तहसील मिलक के स्टेशन रोड स्थित भाजपा नेता नन्हे राम पांडेय ठेकेदार के आवास पर भी आयकर विभाग की छापामारी जारी रही।

एमए की छात्रा ने किया सुसाइड

ललितपुर। ललितपुर जिले के ग्राम समोगर में एमए की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया । छात्रा ने किन कारणों से आत्महत्या की इस बारे में परिजन नहीं बता सके। कोतवाली महरौनी अंतर्गत ग्राम समोगर निवासी 23 वर्षीय एमए की छात्रा माया पुत्री स्वर्गीय आशाराम का शव शुक्रवार की देर शाम कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

शारीरिक संबंध न बनाने पर वीडियो वायरल करने की धमकी

फतेहपुर। फतेहपुर में खेत जा रही दो किशोरियों ने गांव के ही दो शोहदों पर अश्लील वीडियो फोटो बनाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है। जिले के सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दो किशोरियों ने गांव के ही दो शोहदों पर अश्लील हरकत कर वीडियो फोटो इंटरनेट मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। घर पहुंचने पर पीड़ित किशोरियों ने परिजनों से आप बीती बताई। दोनों किशोरियों के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

शार्ट न्यूज

एनटीपीसी का मुनाफा 38 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 4726.4 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3417.67 करोड़ रुपये की तुलना में 38.3 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद बीएसई को बताया कि निदेशक मंडल ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 22.5 प्रतिशत अंतरिम लाभांश को मंजूरी दी है। यह लाभांश 23 नवंबर को दिया जायेगा। सितंबर 2023 को समाप्त इस तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 44983.35 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 44175.03 करोड़ रुपये की तुलना में 1.8 प्रतिशत अधिक है। एनटीपीसी देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी है और देश के कुल बिजली उत्पादन में कंपनी ही हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है।

सरकार बफर के लिए अतिरिक्त दो लाख टन प्याज खरीदेगी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्याज निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) अधिसूचित किया है। सरकार बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज खरीदेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि फैसला 31 दिसंबर तक लागू रहेगा। घरेलू बाजार में प्याज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में प्याज की किल्लत से बचने और ज्यादा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके जरिए आसमान छूती कीमतों को काबू में रखने की कोशिश की जाएगी।

कजाखस्तान में आर्सेलर मित्तल की स्टील खदान में आग लगने से 32 लोगों की मौत

नई दिल्ली । कजाखस्तान में इस्पात कंपनी आर्सेलर मित्तल तेमिरटौ की लक्जमबर्ग स्थित स्थानीय इकाई ने शनिवार को खदान में आग लगने से कम से कम 32 लोगों की मौत होने की बात कही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोस्टेंको खदान में 252 लोगों में से 208 को निकाल लिया गया है, जिनमें से 18 ने चिकित्सा सहायता मांगी है। स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे तक करीब 23 लोगों का पता नहीं चल पाया था। कजाख राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अपने मंत्रिमंडल को आर्सेलरमित्तल तेमिरटौ के साथ निवेश सहयोग रोकने का आदेश दिया। सरकार ने एक बयान में कहा कि वह देश की सबसे बड़ी इस्पात मिल का संचालन करने वाली कंपनी के राष्ट्रीयकरण के लिए एक सौदे को अंतिम रूप दे रही है।

भारत श्रीलंका के सशस्त्र बलों को प्रशिक्षण के लिए 23 करोड़ रुपये देगा

नई दिल्ली। भारत श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण के लिए 28.23 करोड़ श्रीलंकाई रुपये (करीब 58,75,900 रुपये) का अतिरिक्त वित्तपोषण मुहैया कराएगा। कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त सत्यांजल पांडे ने शुक्रवार को यहां एक वरिष्ठ स्थानीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान श्रीलंका को यह जानकारी दी। भारतीय मिशन ने पोस्ट किया, मेजर जनरल चंदना विक्रमसिंघे के नेतृत्व में सेना के प्रतिनिधिमंडल ने आगामी मित्र शक्ति अभ्यास के आयोजन पर चर्चा करने के लिए डॉ सत्यांजल से मुलाकात की। भारतीय मिशन ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, भारत ने श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण के लिए 23. करोड़ श्रीलंकाई रुपये के अतिरिक्त वित्तपोषण की घोषणा की है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीलंकाई पक्ष ने श्रीलंकाई सशस्त्र बलों को दिए गए क्षमता निर्माण समर्थन के लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया और बातचीत बढ़ाने की उम्मीद कर रहा है।

कार्यकारी सिंचाई अभियंता का फर्जी कार्यालय खोलकर हासिल कर लिया 4.16 करोड़ का सरकारी अनुदान

नई दिल्ली । गुजरात के आदिवासी बहुल छोटा उदयपुर जिले में सिंचाई परियोजनाओं के लिए कार्यकारी अभियंता का फर्जी कार्यालय बनाकर पिछले दो साल में कथित तौर पर 4.16 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान हासिल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी संदीप राजपूत ने कथित तौर पर बोडेली में सिंचाई परियोजना डिवीजन के कार्यकारी अभियंता का फर्जी कार्यालय स्थापित किया ताकि फर्जी परियोजनाओं के लिए 4.16 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान प्राप्त किया जा सके, जिसके लिए 2021-2022 और 2022-2023. में प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को दूसरी तिमाही में 35 प्रतिशत बढ़कर 751 करोड़ रुपये

मुंबई। आईडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2023-23 की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 751 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया जो सालाना आधार पर 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंक का कर पश्चात लाभ 556 करोड़ रुपए था ।

बैंक के निदेशक मंडल ने शनिवार को हुई 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। बैंक की एक विज्ञप्ति के मुताबिक दूसरी तिमाही में उसका परिचालन लाभ 38 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 1,456 करोड़ रुपए रहा । एक साल पहले यह 1,052 करोड़ रुपये था।

बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 3,950 करोड़ रुपये रही जो सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 3,002 करोड़ रुपये थी1 दूसरी तिमाही में बैंक का परिचालन व्यय एक साल पहले के 2,895 करोड़ रुपए की तुलना में 34 प्रतिशत बढ़कर 3,870 करोड़ रुपये रहा। बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ वी वैद्यनाथन ने कहा, हम 'दीर्घकालिक' राह पर आगे बढ़ने के लिए अपने बैंक के निर्माण पर दृढ़ता से चल रहे हैं और अपनी बुनियाद मजबूत कर रहे हैं, दीर्घ काल को ध्यान में रखते हुए अपनी संस्कृति और अपने उत्पादों का निर्धारण कर रहे हैं।' दूसरी तिमाही में शुद्ध ब्याज मार्जिन सुधर कर 6.32 प्रतिशत रही । एक साल पहले यह 5.83 प्रतिशत और इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6.33 प्रतिशत थी। बैंक की शुल्क और अन्य आय के मद में 46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,376 करोड़ रुपये दर्ज की गयी। बैंक ने कहा कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल शुल्क आय में खुदरा शुल्क से आय का अनुपात 93 प्रतिशत रहा।

ग्राहक जमा में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 सितंबर, 2022 को बैंक का जमा आधार 1,14,004 करोड़ रुपए था जो 30 सितंबर, 2023 तक 1,64,726 करोड़ रुपये दर्ज किया गया । बैंक ने कहा है कि उसके पास खुदरा जमाओं में सालाना आधार पर 50प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वर्ष 30 सितंबर को खुदरा जमा राशि 1,27,595 करोड़ रुपये थी। बैंक का वित्त पोषण कारोबार सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरी तिमाही के अंत में 1,83,236 करोड़ रुपये के स्तर पर था। 30 सितंबर 2022 को बैंक का बाजार में दी गयी कर्ज की बकाया अग्रिम राशि 1,45,362 करोड़ रुपए थी। बैंक ने घोषित रणनीति के अनुसार बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को बंद करना जारी रखा है। 30 सितंबर, 2023 तक कुल वित्त पोषित संपत्ति का केवल 1.8 प्रतिशत हिस्सा ही बुनियादी ढांचा क्षेत्र के नाम था। बैंक का सकल एनपीए एक साल पहले के 3.18 प्रतिशत की तुलना में घट कर 2.11 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए (एनएनपीए) 1.09प्रतिशत से घट कर 0.68 प्रतिशत रहा । दूसरी तिमाही के अंत में बैंक की पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.54 प्रतिशत पर मजबूत स्थिति में था जिसमें थी और सामान्य इक्विटी टीयर -1 पूंजी का अनुपात 13.49 प्रतिशत पर था।

दूरसंचार क्षेत्र के डिजिटल कौशल पाठ्यक्रमों के लिए, आईसैक, डीएडीबी से साझीदारी की टीएसएससी ने

नयी दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र में तरह-तरह के कार्यों के लिए कुशल मानव संसाधन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल (टीएसएससी) ने उसी तरह के अत्याधुनिक डिजिटल पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए इन्फॉर्मेशन शेयरिंग एंड एनालिसिस सेंटर (आईसैक) और जर्मन अकादमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन (डीएडीबी) के साथ शनिवार को यहां समझौते किया।

एक ताजा अनुमान के अनुसार भारत में दूरसंचार क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन की कमी है और यह कमी 2030 तक 3.8 प्रतिशत अधिक हो जाएगी।

टीएसएससी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है और आईसैक के बीच गठबंधन में साइबर सेफ्टी एसेशियंल (सीएसई) कार्यक्रम चलाया जाएगा। बयान के मुताबिक इसके पाठ्क्रम को भारत के युवाओं विशेषकर 16 वर्ष से कम आयु के नीचे के युवाओं को आवश्यक साइबर सुरक्षा ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के साथ सशक्त करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस पहल का लक्ष्य 100 बाइट आकार से अधिक के वीडियो और बच्चों के लिए बातचीत आधारित क्विज से युवाओं का दिमाग सही मायने में साइबर सुरक्षा में प्रवीण बनने की ओर मोड़ना है।

इसी तरह डीएडीबी के साथ साझेदारी में टीएसएससी ई-मोबिलिटी और हाइड्रोजन टेक्नोलाजी पर पाठ्यक्रम शुरू कर

रहा है, जहां भारतीय युवाओं की जर्मनी की अत्याधुनिक डिजिटल शिक्षा तक सीधी पहुंच होगी। हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के अंतर्गत हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज और अक्षय ऊर्जा एकीकरण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर होगा और यह हरित ऊर्जा क्षेत्र में भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप है। बयान में कहा गया है कि इसी तरह से, ई-मोबिलिटी कोर्स विद्यार्थियों को उदीयमान इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के लिए तैयार करेगा जहां विनिर्माण, रखरखाव और ढांचागत विकास में वर्ष 2030 तक लाखों नौकरियां पैदा होने की संभावना है।

टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद बाली ने कहा, आईसैक और डीएडीबी के साथ हमारे रणनीतिक गठबंधन के जरिए टीएसएससी दूरसंचार क्षेत्र में कौशल विकास में क्रांति ला रहा है। इन डिजिटल पाठ्यक्रमों से युवा विश्वभर से अत्याधुनिक ज्ञान और विशेषज्ञता तक पहुंचने में सशक्त होंगे और भौगोलिक सीमाएं पार करेंगे। चाहे साइबर सुरक्षा चैम्पियनों की अगली पीढ़ी तैयार करने की बात हो या फिर विद्यार्थियों को हरित ऊर्जा क्रांति के लिए तैयार करने की बात हो, हमारे पाठ्यक्रम व्यक्तियों को दूरस्थ स्थानों से मार्गदर्शन और प्रेरणा लेने में समर्थ बनाएंगे जिससे भारत के लिए एक उज्ज्वल एवं अधिक सुरक्षित भविष्य को आकार मिलेगा ।

जियो का 'इमरजेंसी रिस्पॉंस कम्युनिकेशन सिस्टम'

नयी दिल्ली। रिलायंस जियो ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2023 में अपना 'इमरजेंसी रिस्पॉंस कम्युनिकेशन सिस्टम' डिस्प्ले किया है, जिससे जिंदगियों को बचाया जा सकेगा। जियो के ट्रू 5जी पर चलने वाला यह 'इमरजेंसी रिस्पॉंस कम्युनिकेशन सिस्टम' कई स्तरों पर कम्युनिकेशन का मजबूत करेगा। लोकल संचार व्यवस्था ठप्प हो जाने पर इस सिस्टम में उपग्रह से कनेक्टिड 'कम्युनिकेश टॉवर ऑन व्हील' होगा, जिसे कभी भी, कहीं भी और किसी भी स्थिती में तैनात किया जा सकता है। सहायता पहुंचाने वाली टीमों के कमांड सेंटर के लिए, रिलायंस जियो ने 'एक्सआर कंपेनियन' नाम का एक ऐप डिजाइन किया है। यह ऐप अपनी सहायता टीमों से रियल टाइम कनेक्ट रहेगा। कमांड सेंटर में ऐप के जरिए वर्क डिस्ट्रीब्यूशन, टू-वे ऑडियो वीडियो कॉलिंग, इमरजेंसी एंबुलेंस कॉलिंग, टीम मूवमेंट, वर्क प्रोग्रेस रिपोर्ट पर रियल टाइम नजर रखी जा सकेगी। अभी इस ऐप में एक साथ करीब 20 टीमों को कनेक्ट किया जा सकता है। जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया भी जा सकता है। दूर बैठे एनडीआरएफ या सहायता अधिकारी, 5जी कनेक्टिड ड्रोन के जरिए दुर्गम स्थानों में हुए नुकसान का जायजा ले सकेंगे। इसके अलावा सहायताकर्मी आपस में बातचीत के लिए वॉयस एक्टिवेटेड 5जी कनेक्टिड डिवाइस का इस्तेमाल करेंगे। हेलमेट पर माउंट हो जाने वाले इन 5जी डिवाइस में कैमरा, फ्लैश लाइट और लेज़र बीम जैसी सुविधाएं हैं।

पोर्श टेक्नॉलाजीज ने लांच किया ख्रिपू माइक्रो डेटा सेंटर

नयी दिल्ली। डेटा स्टोरेज एवं कनेक्टिविटी समाधान प्रदाता पोर्श टेक्नॉलाजीज ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस अपना नया उत्पाद ख्रिपू माइक्रो डेटा सेंटर लाँच करने की घोषणा की है।

कंपनी के अध्यक्ष अरशद फाखरी ने आज यहां कहा कि आमतौर पर डेटा सेंटर का आकार बड़ा होता है और उसके लिए बिजली आपूर्ति से लेकर हर तरह की व्यवस्था करनी पड़ती है लेकिन इस माइक्रो डेटा सेंटर को एक रेफ्रिजरेटर जैसे आकार में पूरी तरह से बनाया गया है जिसमें पावर आपूर्ति , कूलिंग से लेकर इसके लिए जरूरी सभी सुविधायें उपलब्ध है। इसमें स्टोरेज को बढ़ाने की भी सुविधा दी गयी है। उन्होंने कहा कि कड़े जर्मन गुणवत्ता मानकों का पालन कर इसको तैयार किया गया है। एकीकृत स्मार्ट कैबिनेट डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर समाधान डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर को बदल देता है। अनुकूलित उत्पादों में निर्माण, एकीकृत डिज़ाइन में बिजली की आपूर्ति, वितरण प्रणाली, प्रशीतन प्रणाली, कैबिनेट प्रणाली, अग्नि नियंत्रण प्रणाली, गतिशील निगरानी सभी को इसमें शामिल कर दिया गया है। इस पर कंपनी 25 वर्षों की वारंटी दे रही है।

एनटीपीसी के एकल छमाही शुद्ध लाभ में 12.81प्रतिशत की वृद्धि, 22.5 प्रतिशत के अंतरिम लाभांश की घोषणा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत उत्पादन कंपनी एनटीपीसी लि. की वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में एकल आधार पर कुल आय सालाना आधार पर घट कर 81,199 करोड़ रुपये रही। इस दौरान कंपनी का छमाही शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 12.81 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7951 करोड़ रुपए रहा ।

कंपनी ने शनिवार को अपने छमाही भौतिक और वित्तीय कार्यनिष्पादन की जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की इसी छमाही में कंपनी की आय 82,537 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 7,048 करोड़ रुपये था।।

एनटीपीसी के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष के लिए 22.5 प्रतिशत की दर से पहले अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी है कंपनी ने कहा है कि लाभ में वृद्धि का मुख्य कारण क्षमता वृद्धि और उच्च स्टेशन उपलब्धता है।

समेकित आधार पर, वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही के लिए समूह की कुल आय 88,775 करोड़ रुपये रही जबकि है। एक साल पहले की इसी अवधि में समेकित आय 88,242 करोड़ थी।

समेकित आधार पर एनटीपीसी समूह का कर पश्चात लाभ (पीएटी) चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,634 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाह में कंपनी ने समेकित शुद्ध लभ7,396 करोड़ दिखाया था ।

स्थापित क्षमता के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली उत्पादक - एनटीपीसी लिमिटेड समूह की क्षमात लगभग 74,000 मेगावाट है।

विज्ञप्ति के अनुसार एनटीपीसी समूह ने चालू वित्त की पहली छमाही में 212 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जबकि वित्त वर्ष 23 की पहली छमाही में यह 204 अरब यूनिट था।

इस बार पहली छमाही में एनटीपीसी का एकल आधार पर सकल उत्पादन 179 अरब यूनिट रहा जो एक साल पहले 176 अरब यूनिट था।

एनटीपीसी ने कहा है कि उसके कोयला आधारित बिजलीघरों ने पहली छमाही में स्थापित क्षमता के औसतन 76.62 प्रतिशत के बराबर उत्पादन किया जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोयलाआधारित बिजली घरों का प्लांट लोड फैक्टर पहली छमाही में औसतन 68.75 प्रतिशत था।

गोयल का जी7 से सार्वजनिक-निजी भागीदारी, ढांगत निवेश, आपूर्ति श्रृंखला नवाचार में सहयोग पर बल

नयी दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को जापान के ओसाका में जी7 व्यापार मंत्रियों की बैठक में दुनिया में सार्वजनिक-निजी भागीदारी, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं के नवाचार और डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया ।

गोयल ने इस बैठक के दौरान अमेरिका, जापान, जर्मनी , आस्ट्रेलिया जैसे देशों के प्रतिनिधियों और डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों के पदाधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं।

गोयल ने वैश्विक स्तर पर आपूर्ति की कड़ियों को सुदृढ करने के विषय पर चर्चा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए इस मुद्दे पर भारत की ओर से कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। यहां वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अरुसार श्री गोयल ने उल्लेख किया कि कोविड-19 महामारी और भू-राजनीतिक घटनाओं ने मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया, जिससे जिंसों की कीमतों और वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। श्री गोयल के जिम्मे कपड़ा और खाद्य आपूर्ति मंत्रालयों का भी काम है।

जी7 वैश्विक नेटवर्क संपदा का आधे से अधिक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 30-43त्न और दुनिया की आबादी का 10वें हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिन्हें जी7 ने व्यापार मंत्रियों की इस बैठक में आमंत्रित किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बयान के मुताबिक श्री गोयल ने आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण और कर्मियों के कौशल और पुन: कौशल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकारों से आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवाजाही को आसान बनाने और सीमा पार व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए एक नियामक ढांचे पर सहयोग करने का आग्रह किया । उन्होंने जी20 की नयी दिल्ली घोषणा में उल्लिखित वैश्विक मूल्य श्रृंखला के मानचित्रण के लिए सामान्य व्यवस्था की भी याद दिलायी।

सत्र के दौरान सरकारों, निजी क्षेत्र और ओईसीडी, डब्ल्यूटीओ आदि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

सुजुकी ने भारत में अपने अनुभव पर एक प्रस्तुति दी। जापान की सुजुकी कंपनी ने उल्लेख किया कि कैसे उन्होंने भारत में एक विश्वसनीय और विश्वसनीय विक्रेता आधार विकसित किया है और भारत में अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में 95त्न से अधिक स्वदेशीकरण हासिल किया है।

इंडियन रेडियोलाजिकल एवं इमेजिंग एसोसिएशन (ईआरआईएन) ने उनके द्वारा किए गए एक अध्ययन का भी उल्लेख किया जिसमें वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी को दर्शाया गया है।

बयान के अनुसार इस चर्चा में ऑस्ट्रेलिया, चिली, इंडोनेशिया और केन्या के मंत्रियों ने भी इस विषय पर अपना हस्तक्षेप किया और सुझाव दिए।

गोयल ने वहां जापान के व्यापार और उद्योग मंत्री निशिमुरा यासुतोशी, ब्रिटेन की व्यापार राज्य मंत्री केमी बडेनोच, ऑस्ट्रेलिया के व्यापार और पर्यटन मंत्री श्डॉन फैरेल, अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई , जर्मनी के आर्थिक और जलवायु परिवर्तन मामलों के मंत्री उडो फिलिप के साथ अलग से मुलाकत की और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाओं को हटाने, चल रही एफटीए वार्ता की स्थिति पर अपडेट और डब्ल्यूटीओ पर आगामी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

गोयल ने डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक नगोजी और जापान की कंपनी मित्सुई के चेयरमैन और जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति (जेआईबीसीसी) के अध्यक्ष तात्सुओ यासुनागावा से भी मुलाकात की।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव उनहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.34 प्रतिशत उबलकर 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 2.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.48 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एयरटेल की माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के जरिए इंटीग्रेटेड कॉलिंग के लिए साझेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने आज माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की घोषणा की जिसके तहत भारतीय व्यापारिक संस्थाओं को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के जरिए कॉलिंग सेवा दी जाएगी। यह सेवा एयरटेल आईक्यू को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के साथ इंटीग्रेट कर प्रदान की जाएगी। एयरटेल ने यहां यह घोषणा करते हुये कहा कि माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के लिए एयरटेल आईक्यू के साथ, एंटरप्राइज जल्द ही इंटरनेट के माध्यम से फिक्स्ड लाइन पर देश भर के ग्राहकों से आसानी से जुड़ सकेंगे। यह नई सेवा एंटरप्राइजेज को टीम्स के जरिये बाहरी यूजर्स, कॉल करने और उनकी कॉल लेने एवं उन्हें अपने कार्यप्रवाह में संचार एवं सहयोग को जारी रखने में सक्षम बनाएगी। एयरटेल आईक्यू के बिजनेस हेड अभिषेक बिस्वाल ने कहा, हम एक बेहतरीन, लचीले और इनोवेटिव समाधान को पेश करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट से साझेदारी करके खुश हैं।

योगी सरकार में यूनीकॉर्न ही नहीं, सूनीकॉर्न का भी केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश

सीएम योगी की मंशा अनुरूप बनाई गई स्टार्टअप नीति ने प्रदेश में वृहद स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास में निभाई अहम भूमिका

दीप्ति राय/गौरवशाली भारत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ ही इनोवेशंस और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके चलते उत्तर प्रदेश में 8 यूनीकॉर्न की उपस्थिति है, जबकि कई स्टार्टअप्स तेजी से यूनीकॉर्न बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसे स्टार्टअप्स को सुनीकॉर्न यानी सून टू बी यूनीकॉर्न कहा जाता है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 तक 10 हजार स्टार्टअप्स की उपस्थिति का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके अनुरूप वर्ष 2023 के मध्य तक ही यह लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है।

जाहिर है, मुफीद नीतियों के कारण न केवल नए स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि कई स्टार्टअप्स अब यूनीकॉर्न व सूनीकॉर्न बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदेश में निवेश के आंकड़ों का संकलन कर रही एजेंसी केपीएमजी द्वारा एक रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए तथ्यों से यह बात सामने आई है।

देश की 108 यूनीकॉर्न्स में से 8 हैं उत्तर प्रदेश में

रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पे-टीएम, पे-टीएम मॉल, इंडिया मार्ट, मोगलिक्स, पाइन लैब्स, इनोवेसर, इंफो एज और फिजिक्स वाला वो स्टार्टअप्स हैं जो उत्तर प्रदेश में बेस्ड हैं और ये देश की यूनीकॉर्न स्टार्टअप्स में शुमार हैं। उल्लेखनीय है कि यूनीकॉर्न स्टार्टअप वो स्टार्टअप होता है जिसकी वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर से अधिक हो।

फिलहाल देश में 108 से ज्यादा

यूनीकॉर्न स्टार्टअप्स मौजूद हैं। इसी प्रकार, सूनीकॉर्न उन स्टार्टअप्स को कहा जाता है जिनमें निकट भविष्य में यूनीकॉर्न बनने की क्षमता हो। फिलहाल प्रदेश में दो सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं और इनके नाम क्लास प्लस व इनशॉर्ट्स हैं। इसके अलावा, जिन स्टार्टअप्स का वैल्यूएशन 10 लाख डॉलर हो जाता है उन्हें मिनिकॉर्न कहा जाता है और ऐसे स्टार्टअप पोटेंशियल के लिहाज से भी उत्तर प्रदेश लगातार प्रगति कर रहा है। यह सब योगी सरकार की नीतियों के कारण हो सका है।

23 जिलों में 63 इनक्यूबेशन सेंटर्स दे रहे स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार द्वारा 1000 करोड़ रुपए यूपी स्टार्टअप फंड में अलॉट किए गए हैं। वहीं, 23 जिलों में 63 इनक्यूबेशन सेंटर्स के जरिए स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन, मेड टेक, ब्लॉकचेन, 5जी, 6जी, क्वॉन्टम कंप्यूटिंग, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग व स्पेस टेक जैसे क्षेत्रों से संबंधित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश के सभी जिलों में है स्टार्टअप्स की उपस्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश फिलहाल देश में चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला प्रदेश है। यहां सभी 75 जिलों में स्टार्टअप्स की उपस्थिति है और खास बात यह है कि 49 प्रतिशत स्टार्टअप्स टियर 2 व टियर 3 शहरों से संबंधित हैं। प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा मिलने का असर यह हुआ है कि एक लाख से ज्यादा रोजगार सृजन के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

एग्री टेक बेस्ड स्टार्टअप्स भी उत्तर प्रदेश में अब अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं और इनके जरिए न केवल लोगों को रोजगार मिल रहा है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं के विकास में मदद भी मिल रही है।

शार्ट न्यूज

ट्रेस्कोथिक को उम्मीद, अपनी लय को पाने में सफल होंगे इंग्लैंड के बल्लेबाज

लखनऊ। भारत के खिलाफ मैच में इंग्लैंड से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हुये टीम के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक ने कहा कि विश्व कप जैसे अहम टूर्नामेंट में उनके बल्लेबाजों को प्रदर्शन स्तरीय नहीं रहा है मगर उन्हे भरोसा है कि टीम जल्द ही अपनी इस कमजोरी से उबरेगी और मेजबान टीम को कड़ी टक्कर देगी। मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में ट्रेस्कोथिक ने कहा डेविड मलान की एक शतकीय पारी को छोड़ दिया जाये तो इंग्लैंड के बल्लेबाज मौजूदा विश्व कप में अब तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन करने में असफल रहे हैं। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों में ढलने की जरूरत है। टूर्नामेंट में टीमें बड़ा स्कोर खड़ा कर रही हैं और लक्ष्य का बचाव भी कर रही हैं मगर हमारे बल्लेबाज यह करने में असफल रहे हैं। उन्होने कहा कि हमें समझना होगा कि हाल के वर्षो में सीमित ओवर क्रिकेट बदला है। अब बल्लेबाज गेंदबाजों पर दवाब बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसा नहीं है कि टीम के पास मैच विजेता खिलाडियों की कमी है या वे भारत की परिस्थितियों या यहां की धीमी पिचों को नहीं समझते। टीम के कई खिलाड़ी यहां आईपीएल खेलते हैं। इसके बावजूद उनका स्तरीय प्रदर्शन नहीं करना खेदजनक है। हम उम्मीद करते है कि कल के मैच में इंग्लैंड अपनी कमजोरियों से उबरने में सफल होगा। इकाना स्टेडियम की पिच को लेकर पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी मैने पिच का बारीकी से निरीक्षण नहीं किया है।

जीत के इरादे से इकाना में उतरेगी रोहित सेना

लखनऊ। आईसीसी विश्व कप में अब तक अजेय भारतीय टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत का छक्का लगाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी वहीं गत विजेता को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिये इस मैच को हर हाल में जीतना होगा। 2019 के चैंपियन इंग्लैंड के लिये मौजूदा विश्व कप का सफर अब तक बेहद निराशाजनक रहा है, ऐसे में इंग्लैंड की कोशिश भारत के खिलाफ जीत हासिल कर खोये आत्मविश्वास को वापस पाने की होगी, हालांकि इसके लिये उन्हे कप्तान रोहित शर्मा और शानदार फार्म में चल रहे विराट कोहली पर काबू पाना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ विराट का प्रदर्शन अब तक औसत रहा है मगर बदले हालात में विराट को रोकना गोरे गेंदबाजों के लिये आसान नहीं होगा वहीं विराट इस मैच में शतक लगाकर अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम की पिच अब तक बल्लेबाजों के लिये मददगार साबित हुयी है, ऐसे में यहां रनो का अंबार लगने की पूरी संभावना है। पिछले मुकाबले में भारत की जीत में अहम भूमिका अदा करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकार्ड रखने वाले रविचंद्रन अश्विन के अंतिम एकादश में शामिल किये जाने पर भी खेल प्रेमियों की नजर रहेगी। इसके अलावा लोकल ब्वाय कुलदीप यादव घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारत के लिये तुरूप का इक्का साबित हो सकते हैं।

झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने थाईलैंड को 7-1 से हराया

रांची। संगीता कुमारी की शानदार हैट्रिक के दम पर मेजबान भारत ने यहां मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम रांची में शुक्रवार से शुरू हुई झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में अपनी धमाकेदार शुरुआत की और थाईलैंड को 7-1 से हरा दिया। भारत के अलावा जापान ने मलेशिया को 3-0 से और कोरिया ने चीन को 1-0 से मात दी। सविता पूनिया की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहले क्वार्टर के अंदर ही 2-0 की बढ़त बना ली। मेजबान टीम के लिए शुरुआती गोल मोनिका ने मैदानी गोल के रूप में सातवें मिनट में किया। इसके बाद टेटे सलीमा ने 15वें मिनट में एक और गोल दागकर स्कोर को 2-0 तक पहुंचा दिया। हालांकि थाईलैंड ने भी दूसरे क्वार्टर में उस समय अपना खाता खोल लिया जब समोंसो सुपांसा ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर अपनी टीम के लिए पहला गोल दाग दिया। लेकिन भारतीय टीम भी कहां पीछे रहने वाली थी और 29वें मिनट में संगीता कुमारी के मैदानी गोल की बदौलत अपनी बढ़त को 3-1 कर दिया। भारत ने फिर तीसरे क्वार्टर में 40वें मिनट में एक गोल करके थाईलैंड पर 4-1 की शानदार बढ़त बना ली। मेजबान टीम का तूफानी प्रदर्शन आगे भी जारी रहा।

भारतीय पैरा एथलीटों ने रचा इतिहास, हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में जीते 111 पदक

हांगझोऊ। भारतीय पैरा एथलीटों ने शनिवार को इतिहास रच दिया जब उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में अपना अभियान 111 पदकों के साथ समाप्त किया, जो किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। पैरा एथलीटों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीते। भारतीय पैरा एथलीटों ने 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक आयोजित हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत द्वारा जीते गए 107 पदकों के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते। एशियाई खेलों में भी भारत ने 100 से ज्यादा पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। भारत एशियाई खेलों में अबकी बार, 100 पार के लक्ष्य के साथ उतरा था और उसे पार किया था। अब पैरा एशियाई खेलों में भी भारत ने इतिहास रचा और 100 से ज्यादा पदक जीते। पैरा एशियाई खेलों में पिछला रिकॉर्ड 72 पदकों का था। पदक तालिका में भारत चीन (521 पदक-214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (44 स्वर्ण, 46 रजत, 41 कांस्य), जापान (42 स्वर्ण, 49 रन, 59 कांस्य) और कोरिया (30 स्वर्ण, 33 रजत, 40 कांस्य) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

रूस गाजा में शांति बनाए रखने के लिए इजरायल के संपर्क में है: लावरोव

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को कहा कि रूस गाजा पट्टी में शांति स्थापित करने के लिए इजरायल के संपर्क में हैं। लावरोव ने बेलारूस की न्यूज एजेंसी बेल्टा को दिए साक्षात्कार में कहा, हम इजरायलियों को संकेत भेज रहे हैं। हम उनके साथ पूर्ण रूप से संपर्क बनाए हुए हैं। हमारे राजदूत नियमित रूप से उनके साथ संवाद कर रहे हैं। हम शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता के बारे में संकेत भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी को उसकी अधिकांश नागरिक आबादी के साथ नष्ट किए बिना, फिलिस्तीनी समूह हमास को खत्म करना असंभव है। उन्होंने गाजा की आबादी को बचाने के लिए पानी, भोजन और बिजली को लेकर मानवीय कार्यक्रम शुरू करने के महत्व पर जोर दिया। इसके साथ उन्होंने कहा कि रूस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एशियाई क्षेत्र का उपयोग रूस और चीन के लिए खतरा उत्पन्न करने को लेकर 'स्प्रिंगबोर्ड' के रूप में नहीं किया जाता है, जैसा कि यूक्रेन के साथ हुआ था।

सामूहिक गोलीबारी का संदिग्ध पाया गया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य मेन के लेविस्टन में 18 लोगों की हत्या का संदिग्ध आरोपी रॉबर्ट कार्ड कथित रूप से खुद को मारी हुई गोली से मृत पाया गया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। मेन डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के एक अधिकारी ने कहा कि यूएस आर्मी रिजर्व के सदस्य कार्ड (40) पर आरोप है कि उसने बुधवार शाम एक रेस्तरां और बॉलिंग एली में गोलीबारी की। दो सामूहिक गोलीबारी में करीब 18 लोग मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए। संदिग्ध को स्थानीय समयानुसार शुक्रवार देर रात करीब 23: 45 बजे लिस्बन फॉल्स में एंड्रोस्कोगिन नदी के पास मृत पाया गया। मेन राज्य पुलिस ने गुरुवार को कहा था कि हत्या के आठ मामलों में कार्ड के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने संदिग्ध की मौत के मद्देनजर पड़ोसी समुदायों के लिए आश्रय-स्थान के आदेश को रद्द कर दिया।

रनो की बारिश में आस्ट्रेलिया ने बाजी मारी, न्यूजीलैंड पांच रन से हारा

एजेंसी

धर्मशाला। ट्रैविस हेड (109) और डेविड वार्नर (81) के बीच 175 रन की तूफानी भागीदारी की के बाद सधी हुयी गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण की मदद से आस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच रन से हरा दिया।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के खूबसूरत मैदान पर आस्ट्रेलिया ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुये 388 रन का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम नौ विकेट पर 383 रन ही बना सकी। विश्व कप में अब तक खेले गये छह मुकाबलों में न्यूजीलैंड की यह दूसरी हार है, इससे पहले भारत ने उसे हराया था जबकि शुरुआती दो मैच हारने वाली आस्ट्रेलिया ने पिछले चार मुकाबलों में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी राह आसान की हैं।

न्यूजीलैंड ने हालांकि गेंद और बल्ले से कंगारूओं को कड़ी टक्कर दी जिसके चलते अंतिम क्षणों तक मैच का रोमांच बरकरार रहा। रचिन रविंद्र (116) ने एक छोर को संभाल कर आस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया। इसके अलावा डैरिल मिचेल (54) और जिमी मीशम (58) ने भी फटाफट रन बटोरते हुये अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया मगर एडम जम्पा (74 रन पर तीन विकेट) के अलावा पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड ने दो दो विकेट झटक कर कीवियों को जीत से महरूम कर दिया।

रनो से भरपूर विकेट पर गेंदबाजों की जम कर पिटाई हुयी मगर दोनो टीमों को मिलाकर कुल 19 विकेट भी गिरे जबकि कुल 771 रन बनाये गये जो आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड मैच का एक

रिकार्ड है। इस दौरान कुल 32 छक्के लगाये गये जिसमें 20 छक्के आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने 12 न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने जड़े।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे हेड और वार्नर के बल्ले की आग ने स्टेडियम के माहौल में तपिश ला दी। दोनो ने कीवी गेंदबाजों की जमकर धुलायी करते हुये 19वें ओवर तक टीम के स्कोर को 175 रन पर लाकर खड़ा कर दिया जिससे लगने लगा था कि आस्ट्रेलिया 450 के आसपास स्कोर कर लेगा मगर ग्लेन फिलिप्स (37 रन पर तीन विकेट) ने न सिर्फ इस तूफान को थामा बल्कि पूरी आस्ट्रेलिया टीम को 388 रनो के भीतर पैक करने में भी अहम योगदान दिया। विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे हेड ने मात्र 59 गेंदों पर अपना शतक दस चौके और सात छक्कों की मदद से पूरा किया।

इसके साथ ही हेड विश्व कप के पदार्पण मैच में सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये है जबकि तेज शतक के मामले में वह ग्लेन मैक्सवेल के बाद दूसरे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी है। मैक्सवेल ने मौजूदा विश्व कप में 40 गेंदों में शतक जड़ा था।

विशाल साझीदारी को तोड़ने के लिये पैट कमिंस ने गेंदबाजों को बदला और आखिरकार कंगारू टीम को पहली सफलता वार्नर के विकेट के तौर पर मिली जिन्हे ग्लेन फिलिप्स अपनी ही गेंद पर लपका। वार्नर ने अपनी धाकड़ पारी में 65 गेंद खेल कर पांच चौके और छह छक्के लगाये। फिलिप्स ने ही हेड को भी जल्द ही दूसरा शिकार बनाया। सलामी साझीदारी टूटने के बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने आस्ट्रेलिया के रनो की रफ्तार पर अंकुश लगाया। इस बीच फिलिप्स ने स्टीव स्मिथ (18) को कैच आउट करा कर अपनी टीम को मैच में वापस ला दिया।

बाद में मिचेल मार्श (36), ग्लेन मैक्सवेल (41), जॉश इग्लस (38) और पैट कमिंस (37) ने तेज गति से रन बटोरने की कोशिश की मगर उतनी ही तेजी से ट्रेंट बोल्ट (77 पर तीन विकेट) और मिचेल सेंटनर (80 रन पर दो विकेट) ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को आउट करने की सफल कोशिश की। गेंद और बल्ले की इस रोमांचक जंग के बीच पूरी आस्ट्रेलियाई टीम 49.2 ओवरों में 388 रन बना कर पवेलियन लौट गयी।

इंग्लैंड को कमतर आंकने की भूल नहीं करेंगे : के एल राहुल

लखनऊ। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया कि लगातार हार से बौखलायी इंग्लैंड रविवार को होने वाले विश्व कप मुकाबले में कड़ी टक्कर दे सकती है, इसलिये भारतीय टीम उनको हल्के में आंकने की भूल कतई नहीं करेंगे।

राहुल ने प्री मैच कांफ्रेंस में शनिवार को कहा यह सही है कि इंग्लैंड के लिये मौजूदा विश्व कप अब तक आशा के अनुरूप नहीं रहा है। 2019 की वर्ल्ड कप चैंपियन टीम लगातार मैच हार रही है मगर यह भी सच है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी कभी भी वापसी कर सकते हैं। उनके पास विश्व स्तरीय गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। इसलिये हम उनको पूरी गंभीरता से लेंगे। इकाना स्टेडियम के साथ जुड़ी यादों को ताजा करते हुये उन्होने कहा चोट के बाद पुनर्वास (रिहैब) करना सबसे दर्दनाक हिस्सा होता है। इसके बाद आपको फिट और मज़बूत होने की कोशिश करनी पड़ती है। साथ ही आपको खुद को आश्वस्त करना है कि ऐसा दोबारा नहीं होगा। यह मानसिक रूप से बहुत ही ज़्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। जब मैं चोटिल हुआ तो यह स्पष्ट रूप से निराशाजनक था। मैं बहुत गुस्से में था। उस चोट ने ज़ाहिर तौर पर मुझ पर और मेरे करियर पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला।

महाराष्ट्र की संयुक्ता ने जिमनास्ट में जीता तीसरा स्वर्ण

पणजी। राष्ट्रीय खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में राजस्थान के नितेक झांगिड ने अपने राज्य को पहला स्वर्ण दिलाया। उन्होंने 81 भारवर्ग में 317 वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के वी अजय बाबू ने 312 वजन के साथ रजत और महाराष्ट्र के अभिषेक (309) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 71 किलो भारवर्ग में पंजाब की हरजिंदर कौर ने 201 वजन उठाकर स्वर्ण, महाराष्ट्र की तृप्ति माने (190) और मणिपुर की पी उमेश्वरी दवी ने 189 भार उठाकर कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र की संयुक्ता काले और ओडिशा की परिणिति नायक ने 37 वें राष्ट्रीय खेलों की जिमनास्टिक स्पर्धा में तीन-तीन स्वर्ण जीतकर अपना दबदबा बना लिया।

एशियाई खेल 2023 : मयंक चाफेकर ने मॉडर्न पेंटाथलॉन में तीन स्वर्ण पदक जीते

पणजी। एशियाई खेल 2023 में भाग लेने वाले भारत के पहले आधुनिक पेंटाथलॉन एथलीट महाराष्ट्र के मयंक चाफेकर ने राष्ट्रीय खेलों में मॉडर्न पेंटाथलॉन में तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किये हैं।

चापेकर को हांगझाउ एशियन गेम्स के दौरान पिंडली की हड्डी में चोट लग गई थी, जब वह तलवारबाजी कर रहे थे। इस दौरान एक तलवार ने उनका पैर छेद दिया था। ठाणे के कलवा के रहने वाले 23 साल के इस खिलाड़ी ने शुक्रवार को पोंडा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत ट्रायथल, पुरुष ग्रुप ट्रायथल और मिश्रित रिले ट्रायथले में स्वर्ण पदक जीतकर घरेलू सर्किट में अपने दबदबे को साबित किया।

दो मॉडर्न पेंटाथलन विश्व और एशियाई चैंपियनशिप में भाग ले चुके चाफेकर ने मॉडर्न पेंटाथलन के राष्ट्रीय खेलों में पदार्पण के मौके का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।

ट्रायथल आधुनिक पेंटाथलॉन अनुशासन में एक उप-खेल है। जहां एथलीटों को 5×600 मीटर की दौड़ लगानी होती है, 4×50 मीटर गोद में तैरना पड़ता है। साथ ही 10 मीटर की दूरी से लक्ष्य पर लेजर गन शूट करना पड़ता है।

पैर में तेज दर्द का सामना कर रहे चाफेकर ने कहा, अपनी चोट के कारण मैं आज शत प्रतिशत दौड़ नहीं सका लेकिन मैं स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध था क्योंकि कल लेजर रन में अपने प्रदर्शन के बाद काफी निराश था। चाफेकर की मां सुवर्णा अपनी खुशी को छिपा नहीं पाईं और उन्होंने कहा, मैं कल से रो रही थी क्योंकि कल मयंक के लिए चीजें इतनी अच्छी नहीं हुई थीं, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि वह आज महाराष्ट्र के लिए तीन स्वर्ण पदक हासिल करने में मेरा बेटा सफल रहा है। जब वह प्रतिस्पर्धा कर रहा होता है तो मैं बेहद नर्वस और तनाव में होती हूं।

2 देशों में हादसा, 67 लोगों की मौत

कजाकिस्तान की खदान में आग लगी; मिस्र में कार से पेट्रोल लीक होने पर कई गाड़ियां टकराईं

कजाकिस्तान और मिस्र में हादसे हुए। इसमें कुल 67 लोगों की मौत हो गई। मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। अब जानिए कि आखिर दोनों देशों में क्या हुआ...

मिस्र में एक के बाद एक कई गाड़ियां टकरा गईं। लोकल मीडिया के मुताबिक हादसे में 35 लोगों की मौत हो गई। 63 लोग घायल हो गए। प्राइमरी इन्फॉर्मेशन के मुताबिक एक कार से पेट्रोल लीक होने के कारण कई गाड़ियां टकरा गईं। इसके बाद उनमें आग लग गई।

वहीं, कजाकिस्तान की एक खदान में आग लगी। मिनिस्ट्री फॉर इमरजेंसी सिचुएशन के मुताबिक यहां 32 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त खदान में 252 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 206 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। 14 लोग लापता हैं। 18 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिस्र में हादसे का शिकार हुई पैसेंजर बस

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हादसा मिस्र की राजधानी काहिरा से 132 किलोमीटर दूर बहेरा इलाके में हुआ। एक पैसेंजर बस भी इस हादसे का शिकार हुई। हालांकि बस में कितने लोग सवार थे, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। सड़क हादसे के बाद पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि ये एक मल्टी व्हीकल कॉलिजन था जिसमें एक साथ कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसा हाईवे पर हुआ। इसकी जानकारी मिलते ही इमरजेंसी सर्विसेज घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

कजाकिस्तान में एक ही कंपनी की खदान में 2 महीने में दूसरा हादसा

कजाकिस्तान की स्टील कंपनी आर्सेलर मित्तल की कोस्टेंको इलाके में स्थित खदान में आग लगी। लोकल मीडिया के मुताबिक, मीथेन गैस लीक होने से यहां धमाका हुआ, फिर आग लग गई। 2 महीने पहले भी इस कपंनी की कारागांडा इलाके में स्थित खदान में हादसा हुआ था। तब भी आग लगी थी और 4 लोगों की मौत हुई थी। इसी खदान में नवंबर 2022 में मीथेन गैस लीक हुई थी। 5 लोग मारे गए थे। 4 लोग घायल हुए थे।

एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा

कजाकिस्तान में आर्सेलर मित्तल की कोयले की 15 खदाने हैं। हादसे पर राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने दुख जताया है। उन्होंने एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने अपनी कैबिनेट से इस कंपनी में इन्वेस्टमेंट नहीं करने की बात कही है। हादसे के बाद खदानों में काम करने वालों की सेफ्टी को लेकर कंपनी और सरकार दोनों पर ही सवाल उठ रहे हैं।

गाजा के अल-शिफा अस्पताल में रह रहे 50 हजार फिलिस्तीनी

रोटी के टुकड़ों और दाल से पेट भर रहे, पीने के लिए खारा पानी

इजराइल-हमास जंग के बीच गाजा के अल-शिफा अस्पताल में करीब 50 हजार बेघर फिलिस्तीनियों ने पनाह ले रखी है। इनमें से ज्यादातर लोगों के घर हमले में तबाह हो चुके हैं। अल जजीरा के मुताबिक सोलर पावर जेनरेटर के भरोसे चल रहा ये अस्पताल किसी भी वक्त बंद हो सकता है। इसके बावजूद फिलिस्तीनियों ने साउथ गाजा जाने की जगह इस अस्पताल में रहने का फैसला किया।

अल-शिफा में मेकशिफ्ट टेंट लगाकर रह रहे फिलिस्तीनियों के पास खाना-पानी की कमी है। यहां दिन की शुरुआत होते ही लोग पानी के पाइप और नल के सामने लाइन लगा लेते हैं। इजराइल ने गाजा में बिजली सप्लाई रोक दी थी। लिहाजा यहां लोगों को नल के खारे पानी से ही गुजारा करना पड़ रहा है। खाने के लिए लोगों को डिब्बे में बंद फावा बीन्स, रोटी और दाल मिलती है।

41 साल की घानिया हानिये अपने 5 लड़कों और 3 लड़कियों के साथ इस अस्पताल में रह रही हैं। उन्होंने अल जजीरा को बताया- हमने चादर और तिरपाल की मदद से टेंट लगाया है। यहां हम सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन मच्छरों और कीड़ों से परेशान हैं। घानिया इजराइली हमलों के बीच शेख रदवान इलाके से अस्पताल पहुंची थीं।

अल-शिफा में लोगों को टॉयलेट जाने के लिए भी लंबी कतारों में लगना पड़ता है। बर्तन-कपड़े धोने, हाथ साफ करने, नहाने और पीने के लिए एक ही पानी का इस्तेमाल करना पड़ता है। खारे पानी से नहाने की वजह से कुछ बच्चों के शरीर पर पपड़ियां जम गई हैं। घानिया अपने बच्चों के साथ जमीन पर 2 चादरें बिछाकर सोती हैं।

इन सब वजहों से स्मॉकपॉक्स जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। अल-शिफा अस्पताल में रह रहे फिलिस्तीनियों को रोज खाना-पानी के लिए लाइन में लगना पड़ता है। उन्हें खाने के लिए सिर्फ आधे बैग ब्रेड और डिब्बों में बंद फावा बीन्स मिलती है। घानिया ने बताया कि वो अपने बच्चों को रोटी के टुकड़े करके देती हैं, जिससे खाना ज्यादा दिखे।

इजरायल 'पागलपन' से बाहर निकले व गाजा पट्टी पर हमला बंद करे: एर्दोगन

अंकारा। तुर्कीये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को इज़राइल से 'पागलपन की स्थिति' से तुरंत बाहर निकलने और गाजा पट्टी पर हमले बंद करने का आह्वान किया। एर्दोगन ने एक्स पर लिखा, गाजा पर जारी इजरायल की बमबारी, जो कल रात और तेज हो गई, ने एक बार फिर महिलाओं, बच्चों और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया, जिससे मानवीय संकट बढ़ गया है। इजरायल को तुरंत अपनी इस 'पागलपन की स्थिति' से बाहर निकलना चाहिए और हमलों को रोकना चाहिए। तुर्कीये के नेता ने इस्तांबुल में अतातुर्क हवाई अड्डे पर फिलिस्तीन के समर्थन में एक रैली की घोषणा की जिससे इस आह्वान को फैलाया जा सके और घोषणा किया जा सके कि इजरायल के उत्पीड़न के खिलाफ तुर्कीये फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा है।

ईरान संघर्ष विराम के किसी भी राजनीतिक समाधान का समर्थन करेगा: हुसैन

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने किसी भी राजनीतिक समाधान के लिए तेहरान के समर्थन की आवाज उठाई है जो गाजा में मौजूदा गंभीर मानवीय संकट का समाधान करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर शनिवार को प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री शुक्रवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ एक बैठक में यह टिप्पणी की। साथ ही उन्होंने मध्य पूर्व विशेष रूप से गाजा पट्टी में नवीनतम विकास पर चर्चा की। हुसैन ने कहा कि ईरान गाजा में हत्या की तत्काल समाप्ति, तटीय क्षेत्र में मानवीय सहायता की निरंतर डिलीवरी और गाजा के लोगों के जबरन विस्थापन को रोकने के लिए किसी भी राजनीतिक समाधान का समर्थन करेगा। उन्होंने फिलिस्तीनियों के समर्थन में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र को तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता की भी चर्चा की। हमास ने सात अक्टूबर को इजराइल पर एक हमला किया जिसमें हजारों रॉकेट दागे और इजरायली क्षेत्र में घुसपैठ की, जिसके जवाब में इजरायल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले, जमीनी कार्रवाई और दंडात्मक उपाय किए, जिसमें पानी, बिजली, ईंधन की आपूर्ति के साथ एन्क्लेव की घेराबंदी भी शामिल थी।

स्पेस एक्स गाजा में अंतरराष्ट्रीय संगठनों को इंटरनेट समर्थन प्रदान करेगा: मस्क

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिकी अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी स्पेस एक्स अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठनों को गाजा में संचार समर्थन प्रदान करेगी, लेकिन अभी तक किसी भी टर्मिनल ने कनेक्शन का अनुरोध नहीं किया है। मस्क ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स, (पूर्व में ट्विटर) पर एक सवाल कि क्या वह एक्सक्लेव को स्टारलिंक कनेक्शन प्रदान कर सकते हैं, के जवाब में कहा कि स्पेस एक्स गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सहायता संगठनों के साथ संचार लिंक का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि कि यह स्पष्ट नहीं है कि गाजा में जमीनी लिंक के लिए किसे अधिकार प्राप्त है, लेकिन किसी भी टर्मिनल ने अबतक उस क्षेत्र में कनेक्शन का अनुरोध नहीं किया है। इससे पहले शनिवार को फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के संचार मंत्री इशाक सदर ने कहा कि वे गाजा पट्टी में संचार बहाल करने और अपनी सेवाओं को उपयोग में लाने के लिए स्टारलिंक के साथ बातचीत कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि फिलिस्तीन राफा सीमा क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा में स्टारलिंक उपकरणों को प्रवेश देने के लिए मिस्र के साथ बातचीत कर रहा है। अल अरबिया प्रसारक ने शुक्रवार को कहा था कि बड़े पैमाने पर इजरायली हमला होने से गाजा पट्टी में संचार और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो गई हैं।

सद्गुरु ने पिंकर के साथ योग विज्ञान पर बातचीत की

बोस्टन। योगी एवं आध्यात्मिक नेता सद्गुरु जग्गी वासुदेव और प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक एवं लेखक स्टीवन पिंकर ने गुरुवार को चेतना और उसके अज्ञात क्षेत्रों पर चर्चा की। एक दोनों के बीच यह चर्चा बोस्टन के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के सैंडर्स थिएटर में बहुप्रतीक्षित बौद्धिक कार्यक्रम में हुयी। गौरतलब है कि बोस्टन के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के सदगुरु सेंटर फॉर ए कॉन्शियस प्लैनेट, बीआईडीएमसी द्वारा आयोजित चेतना विज्ञान, आध्यात्मिकता और सामाजिक प्रभाव पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजना किया था। यह आयोजन 26-27 अक्टूबर को हुआ। इसके पहले दिन इस महत्वपूर्ण सत्र का संचालन एससीसीपी में एमपीएच के प्रबंध निदेशक बालाचंद्र सुब्रमण्यम ने किया। इस दौरान सद्गुरु ने कहा, चेतना वास्तव में उस ज्ञान का प्रतिनिधित्व नहीं करती है जो हमारे अंदर काम कर रही है। चेतना को यौगिक शब्दों में चित्त कहा जाता है। यह वह मौलिक बल है, जो हमें चलाता है और यह बुद्धि का वह पहलू है, जिसकी कोई इच्छा नहीं है। वही पिंकर ने कहा कि चेतना कोई चमत्कार नहीं है, बल्कि मस्तिष्क, दवा रसायन विज्ञान और विद्युत गतिविधि जैसे बाहरी कारकों का एक उत्पाद है। वहीं सद्गुरु ने कहा कि चमत्कार शब्द को धोखा देने की कोशिश के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

वायुसेना की जीत, पंजाब नेशनल बैंक व भारतीय रेलवे बराबरी पर

जालंधर। भारतीय वायु सेना ने पूर्व चैंपियन पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली को 4-2 के अंतर से हराकर तीन अंक हासिल किए जबकि इंडियन रेलवे दिल्ली और पंजाब नेशनल बैंक दिल्ली के बीच मैच 1-1 से बराबर रहा। स्थानीय ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में 40वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के चौथे दिन दो लीग राउंड मैच खेले गए। पहला मैच पूल बी में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली और इंडियन एयर फोर्स दिल्ली के बीच खेला गया। खेल के 5वें मिनट में एयरफोर्स के अजीत पंडित ने फील्ड गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया. खेल के 19वें मिनट में पंजाब एंड सिंध बैंक के रवनीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम के बाद खेल के चौथे क्वार्टर में एयरफोर्स के राहुल कुमार राजभर ने 47वें मिनट में फील्ड गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। कुछ सेकेंड बाद बैंक के परमवीर सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 2-2 कर दिया। खेल के 52वें मिनट में एयर फोर्स के राहुल कुमार राजभर ने गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया. खेल के 58वें मिनट में एयरफोर्स के मनीप केरकेटा ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया। दूसरा मैच पूल बी में पिछले साल के विजेता इंडियन रेलवे दिल्ली और पंजाब नेशनल बैंक दिल्ली के बीच खेला गया। खेल के तीसरे मिनट में गुरसिमरन सिंह ने फील्ड गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के 25वें मिनट में इंडियन रेलवे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुरसाहिबजीत सिंह ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

कालांवाली में 1,37,950 रुपए की राशि सहित 12 जुआरी गिरफ्तार

सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले में जुआ खेलने व सट्टा खाईवाली करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कारवाई करते हुए डबवाली सीआईए पुलिस टीम की ओर से गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर कालांवली मंडी में रेलवे स्टेशन के सामने एक शराब ठेका के ऊपरी मन्जिल पर जुआ खेल रहे एक लाख 37 हजार 950 रुपए की जुआ राशि व ताश के पतो के साथ हरियाणा व पंजाब के 12 लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए डबवाली प्रभारी इंस्पेक्टर विरेन्द्र सिंह ने बताया कि पकड़े गए लोगों की पहचान गुरचरन सिंह पुत्र महेंद्र सिंह निवासी गांव मलकाना जिला बठिंडा पंजाब, हतिंदर सिंह पुत्र मेघराज वासी वार्ड नं. 11 मंडी कालांवाली, गुरतेज सिंह पुत्र भाल सिंह वासी रईया जिला बठिंडा, महेंद्र सिंह पुत्र जरनैल सिंह निवासी फग्गू थाना रोड़ी, जसवीर सिंह पुत्र हरविंदर सिंह वासी चकेरियां, छिंदर सिंह पुत्र बलकोर सिंह निवासी गांव गदराना, पृथ्वी सिंह पुत्र मोहन लाल वासी गांव बनवाला थाना ओढ़ा, राजविंदर सिंह पुत्र दरवारा सिंह निवासी वार्ड नं. 9 मंडी कालांवाली, गुरजंट सिंह पुत्र मेजर सिंह निवासी गांव भागी बंदर जिला बठिंडा, मिठू सिंह पुत्र मुख्तयार सिंह निवासी गांव चकेरिया, राकेश पुत्र हेमराज निवासी वार्ड नं. 3 मंडी कालांवाली, मदन लाल पुत्र राम प्रताप वासी गांव खाई शेरगढ़ थाना ओढ़ां को रुप में हुई है।

पीईटी परीक्षा में सॉल्वर गिरोह का भंडाफोड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (यूपीएसटीएफ) ने शनिवार को आयोजित प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (पीईटी) के दौरान अनुचित साधनों का उपयोग करने के आरोप में राज्य के विभिन्न हिस्सों से सॉल्वर, गिरोह के सदस्यों और कक्ष निरीक्षक सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यहां बताया कि 35 जिलों के 1,058 केंद्रों पर चार पालियों में आयोजित होने वाली पीईटी की नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित कराने के लिए एसटीएफ को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा, गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने राज्य के विभिन्न केंद्रों से 10 लोगों को गिरफ्तार किया। कुछ नकलची मूल आवेदकों के नाम पर परीक्षा देते हुए पकड़े गए। प्रवक्ता ने बताया कि अभियुक्तों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर गिरोह के सरगना दीपक कुमार पटेल और अजय कुमार पटेल को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, आरोपी के पास से बरामद प्रश्नपत्र की जांच के बाद पता चला कि वह पेपर वाराणसी के चौबेपुर स्थित आरपीडी इंटर कॉलेज को आवंटित किया गया था। उन्होंने बताया कि मौके पर जब पेपर की क्रॉस जांच की गई तो पता चला कि वह अनुपस्थित परीक्षार्थी का था। उन्होंने कहा, कक्ष निरीक्षक विनय पटेल द्वारा सॉल्वर गिरोह को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया जाता था। सॉल्वर गिरोह ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से आवेदकों को उत्तर बताता था।

लखनऊ में 30 अक्टूबर को ब्लैकआउट मॉकड्रिल का होगा प्रदर्शन

नागरिक सुरक्षा और आपातकाल में लोगों के बचाव के लिए तैयारियों को परखेगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नागरिक सुरक्षा और आपातकाल परिस्थितियों में लोगों के बचाव के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने ब्लैक आउट मॉकड्रिल करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश नागरिक सुरक्षा विभाग 30 अक्टूबर 2023 को साय: 6: 00 बजे से रात्रि 8: 00 बजे तक राजकीय जुबली इंटर कॉलेज, सिटी स्टेशन, लखनऊ में वृहद स्तर पर ब्लैक आउट/मॉकड्रिल का प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों को 'निदेशक, नागरिक सुरक्षा प्रशस्ति-पत्र का वितरण एवम नागरिक सुरक्षा विभाग की वेबसाइट का उद्घाटन भी किया जाएगा।

बचाव की आपातकाल विधियों का भी होगा प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश के नागरिक सुरक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव रजनीश गुप्ता ने बताया कि कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में इस मॉकड्रिल के तहत ब्लैक आउट का प्रदर्शन किया जाएगा। ब्लैक आउट युद्ध के समय जनधन की क्षति को कम करने हेतु क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बंद करके किया जाता है। इसके अतिरिक्त आग बुझाने के तरीके, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, भवनों में फंसे लोगों के बचाव के तरीके का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

बचाव की आपातकाल विधियों में fore and aft method, two handed seat, फायरमैन लिफ्ट, human crutch, human cradle इत्यादि तरीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

यह ब्लैक आउट मॉकड्रिल लखनऊ में पहली बार नागरिक सुरक्षा द्वारा आयोजित की जा रही है।

स्वयंसेवकों और नागरिकों को किया जाएगा जागरूक

अपर मुख्य सचिव रजनीश गुप्ता ने बताया कि विभाग द्वारा नागरिक सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाती हैं। विभाग द्वारा नागरिकों की सुरक्षा का दृढ़ संकल्प लिया गया है, उसे पूर्ण करने की दिशा में ब्लैकआउट और मॉकड्रिल अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि स्वयंसेवक और प्रशिक्षित हो सके और अधिक से अधिक आम नागरिकों को भी जागरूक किया जा सके।

भारत का इज़राइल- फ़िलिस्तीन के बीच युद्धविराम के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लेना चौंकाने वाला

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा)नेता एवं लोकसभा सांसद कुंवर दानिश अली ने कहा है कि वह यह देखकर स्तब्ध रह गये कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत ने इज़राइल और फ़िलिस्तीन के बीच युद्धविराम के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लिया। अमरोहा से लोकसभा सांसद श्री अली ने आज एक बयान जारी करके कहा कि इजरायली सेना फ़िलिस्तीनियों का क़त्लेआम कर रही है और दुनिया इसे एक एक्शन फिल्म की तरह देख रही है। इसके अलावा बहुत सारे पत्थर दिल लोग तो मासूम बच्चों के क़त्लेआम पर भी खुश हो रहे रहें या लाशों की गिनती कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने कभी अपनी कल्पना में भी नहीं सोचा था कि भारत मज़लूमों को उनके हाल पर छोड़ देगा और उन ज़ालिमों के साथ खड़ा नज़र आयेगा जो हिंसा में विश्वास करते हैं और उनकी नज़र में मासूम बच्चे, बेबस महिलाएँ और बुजुर्ग सब उनके दुश्मन हैं और दुनिया ने उन्हें सब को मिट्टी में मिला देने का लाइसेंस दे दिया है। बसपा नेता ने कहा मैं वास्तव में यह देखकर स्तब्ध रह गया जब मेरे देश ने युद्धविराम के लिए मतदान में हिस्सा नहीं लिया और गाजा में शांति लाने और फिलिस्तीनी बच्चों की जान बचाने में एक बड़ी भूमिका निभाने का अवसर खो दिया। उन्होंने कहा, भारत की स्थापना सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर हुई थी। वह मूल सिद्धांत जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, यह सिद्धांत भारतीय संविधान का आधार हैं जो हमारी राष्टीयता और दुनिया में अद्वितीय पहचान को परिभाषित करते हैं। बसपा नेता ने कहा, जब गाज़ा में मानवता के हर कानून को नष्ट कर दिया गया हो, भोजन, पानी, चिकित्सा आपूर्ति, संचार और बिजली काट दी गई हो, लाखों पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खत्म किया जा रहा हो, तब ख़ामोशी से यह सब होते देखना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

2023-24 में खरीफ के दौरान 1485 लाख टन खद्यान्न के उत्पादन का अनुमान

नयी दिल्ली। वर्ष 2023-24 के दौरान खरीफ फसलों का उत्पादन 1485 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 की प्रमुख खरीफ फसलों के उत्पादन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी किए हैं। प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में खरीफ फसलों का उत्पादन 1485.69 लाख टन होने की आशा है। इस दौरान चावल का उत्पादन 1063.13 लाख टन, मक्का का 224.82 लाख टन, अरहर का 34.21 लाख टन, मूंग का 14.05 लाख टन और उड़द का 15.05 लाख टन पैदावार होने का अनुमान है। मूंगफली का 78.29 लाख टन, सोयाबीन का 115.28 लाख टन और गन्ना का 4347.93 लाख टन उत्पादन होने की उम्मीद है। चावल के क्षेत्रफल में पिछले वर्ष के अंतिम अनुमान से लगभग दो लाख हेक्टेयर और औसत चावल क्षेत्रफल से लगभग 4.5 लाख हेक्टेयर अधिक अनुमानित है। इसका उत ?पादन भी औसत खरीफ चावल उत्पादन की तुलना में लगभग एक लाख टन अधिक अनुमानित है। अन्य अनाज फसलों जैसे कि खरीफ मक्का और ज्वार का क्षेत्रफल भी पिछले वर्ष के क्षेत्रफल और साथ ही इन फसलों के औसत क्षेत्रफल की तुलना में अधिक अनुमानित है। खरीफ मक्का का उत ?पादन 213.51 लाख टन औसत उत्पादन की तुलना में, लगभग 11 लाख टनकी वृद्धि दर्ज करते हुए, 224.82 लाख टन अनुमानित है। वर्ष 2023-24 के दौरान खरीफ पोषक/मोटे अनाजों का उत्पादन 351.37 लाख टन अनुमानित है जोकि 350.91 लाख टन औसत मोटे अनाजों की तुलना में थोड़ा अधिक है।

प्रदीप पांडे चिंटू की फिल्म शूरवीर की शूटिंग शुरू हुई बस्ती में

शूरवीर यह शब्द सुनते ही मन मे किसी योद्धा का ख्याल आने लगता है, ऐसा लगता है कि जैसे हमारे सामने कोई भीमकाय शरीर वाला एक बेहद बलशाली पुरुष खड़ा है जो किसी भी प्रकार की चुनौतियों का सामना हंसते खेलते कर सकता है। वो शूरवीर किसी भी प्रकार के संकट को अपने आसपास फटकने नहीं देगा। कुछ इसी प्रकार के एक शूरवीर की बात हम भी करने जा रहे हैं, जी हां आज दिनांक 28 अक्टूबर से उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में प्रदीप पांडेय चिंटू के रूप में एक नया शूरवीर आपको कहीं भी मिल सकता है, इस शूरवीर की शूटिंग आज से बस्ती में शुरू हो गई है। इस फ़िल्म का बीती शाम 27 अक्टूबर को भव्य मुहूर्त हुआ और आज से शूटिंग भी प्रारम्भ हो गई। इस फ़िल्म शूरवीर में प्रदीप पांडेय चिंटू एक ऐसे योद्धा शूरवीर का किरदार निभाने वाले हैं जिसने ज़िन्दगी के हर उतार चढ़ाव को बेहद संज़ीदगी से जिया है और हर मुश्किलों का सामना भी डटकर किया है। इस शूरवीर को निभाने के लिए प्रदीप पाण्डेय चिंटू ने अपनी शारीरिक फिटनेस को भी काफी इम्प्रूव किया है, और शूरवीर के जैसा दिखने के लिए अपनी बॉडी पर अच्छा खासा मेहनत करके एक अलग ही शेप दिया हुआ है जो दर्शकों को फ़िल्म रीलीजिंग के बाद स्पस्ट रूप से देखने को मिलेगा। शिवराम फ़िल्म एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने जा रही भोजपुरी फिल्म शूरवीर के निर्माता हैं शिवराम, वहीं फ़िल्म के लेखक व निदेशक आर. के. शुक्ला हैं।

शूरवीर के सह निर्माता राकेश देवा पांडेय व सुग्रीम हैं। इस फिल्म के कार्यकारी निर्माता अजय निगम, इरफान पिंडारी व शेखर यादव है। शूरवीर का छायांकन विजय आर. पांडेय कर रहे हैं। तो वही संगीत का पक्ष मधुकर आनंद को दिया गया है, जिनके बनाये धुन पर अभिनेताओं को कानू मुखर्जी नृत्य कराने वाले हैं, फ़िल्म शूरवीर के एक्शन मास्टर हीरा यादव हैं। मुख्य सहायक निर्देशक मिलन मन्जोषी, सावन वर्मा व विकास आर पांडेय हैं। वहीं सहायक निर्देशक में राजा ठाकुर सँग राहुल पांडेय है। फ़िल्म शूरवीर के मुख्य नायक प्रदीप पांडेय चिंटू व मुख्य नायिका यामिनी सिंह हैं। वहीं फिल्म में संजय पांडे, एहसान खान, अयाज खान, बृजेश त्रिपाठी, अनूप, लोटा तिवारी, नीलम पांडेय, रमेश विश्वकर्मा, इरफान पिंडारी, पप्पू यादव, शिव बालक वर्मा, शुभम साहू कलाकार हैं। और प्रचारक संजय भूषण पटियाला है।

भ्रष्टाचार को उज़ागर करने में रितेश पाण्डेय के छूटेंगे पसीने

रितेश पांडेय की आगामी फिल्म भ्रष्टाचार का आज फर्स्टलुक पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है। फर्स्टलुक पोस्टर पर रितेश पाण्डेय स्कूटी पर बैठे हैं। और उनके चेहरे पर तनाव साफ साफ देखा जा रहा है, वहीं बैकग्राउंड में काफी भींड़ और आगजनी की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। यह देखकर ही लग रहा है कि फ़िल्म में काफी हो हंगामा होने वाला है। इस पूरी घटना को देखकर तो यही चरितार्थ होता है कि भ्रष्टाचार करनेवाला उससे बचने की तमाम कोशिशें कर ले लेकिन कहीं ना कहीं उसके मन मे शक बना रहता है कि कहीं पकड़ा न जाये। और यही डर उसके पकड़े जाने का कारण बनता है। ऐसे ही एक भ्रष्टाचार के दलदल को रितेश पाण्डेय जल्द ही उजागर करने वाले हैं जिनमे उनको काफी मेहनत करना पड़ा है और इस चक्कर मे रितेश पाण्डेय को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ेगा। लेकिन वो कहते हैं न कि लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती और कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। रितेश पाण्डेय वही करने वाले हैं और आखिर में उन्हें भ्रष्टाचार के ऊपर विजयश्री ही मिलेगी की नाकामी हाथ लगेगी यह तो फ़िल्म आने के बाद ही पता चलेगा। इस भ्रष्टाचार की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी शूटिंग आगामी 23 नवम्बर से उत्तरप्रदेश के देव नगरी बनारस में की जाने वाली है।

छत्तीसगढ़ विस चुनाव के लिए आप की चौथी सूची जारी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए 12 सीटों पर उम्मीदवारों की पांचवीं सूची घोषित की।

आप ने शुक्रवार की रात यह सूची जारी की। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ संदीप पाठक, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी और प्रदेश प्रभारी संजीव झा की ओर से जारी सूची में राज्य विधानसभा की 12 और सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किये गये हैं। विधानसभा क्षेत्रवार उम्मीदवारों में रायपुर शहर दक्षिण से विजय झा, मरवाही से भावेश वर्कड़े, बेलतरा से राकेश यादव, सक्ती से अनुभव तिवारी और बेमेतरा से प्रमोद साहू चुनाव लड़ेंगे।

वेद क्या है

पंडित शुभम शर्मा

वैदिक साहित्य के अनुसार वेद का अर्थ वेद शब्द विद् धातु से घञ् प्रत्यय पर बनता है। इसका अर्थ है ज्ञान वेद शब्द का अर्थ - ज्ञान की राशि या ज्ञान का संग्रह ग्रंथ। प्राचीन ऋषियों ने जो ज्ञान अर्जित किया था, उसका संग्रह वेदों में हैं। वेद और विद्या दोनों शब्द विद् धातु से बने हैं प्राचीन समस्त विद्याओ को वेद (ज्ञान) शब्द के अंतर्गत लिया जाता था। इसी आधार पर आयुर्वेद, धनुर्वेद आदि उपवेद माने जाते हैं सायण ने वेद शब्द की दूसरी व्याख्या भी की है - इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोरलौकिकमुपायं यो ग्रन्थो वेदयति स वेद: '

जो ग्रंथ इष्ट - प्राप्ति और अनिष्ट निवारण का अलौकिक उपाय बताता है। से वेट करते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाता है कि अच्छा क्या है और बुरा क्या है ? यह वेद ही बताता है।

श्रुति एवं निगम वेदों को श्रुति भी कहते हैं इसका कारण यह है कि इन्हें गुरु शिष्य परंपरा से ही सुरक्षित रखा गया है। गुरु परंपरागत पद्धति से वेदों के मंत्रों को शिष्यों को पढ़ाते थे और शिष्य उनको श्रवण मात्र से स्मरण करते थे।

इसमें इस बात पर विषेश ध्यान दिया जाता था कि शिष्य मंत्रो के स्मरण में स्वर में उच्चारण संबंधित एक भी त्रुटि न होने दे। वेदों को निगम भी कहते हैं। निगम का अर्थ है -अर्थबोधक या सार्थक। वेदों को साभिप्राय, सुसंगत और उत्तम अर्थ बताने के कारण निगम कहा जाता था।

वेदोऽखिलो धर्ममूलं - वेद आर्य - धर्म कि आधार शिला हैं। धर्म के मूल तत्वों को जानने के एक मात्र साधन वेद हैं।

वेद चार है, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद। प्रत्येक वेद के विभिन्न ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद है। संहिता भाग में मंत्रो को शुद्ध रूप रहता है जो देव स्तुति एवं विभिन्न यज्ञ के समय पढ़ा जाता है। ब्राह्मण ग्रंथों में वह भाग है, जो मंत्रो के विधि भाग कि व्याख्या करता है। आरण्यक ग्रंथ में वह अंश है, जिन विधियों को वानप्रस्थ कि अवस्था में मनुष्य को वन में करना चाहिए। उपनिषदो में आध्यात्मिक एवं दार्शनिक सिद्धांत है।

ऋग्वेद

ऋग्वेद का अर्थ - स्तुतिपरक मंत्र

ऋग्वेद का सामान्य परिचय संप्रति ऋग्वेद की केवल एक शाकल शाखा की संहिता प्राप्त होती है। यह ऋग्वेद संहिता कहीं दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है विश्व साहित्य का सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण ग्रंथ यही है भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों ने यह वेद ब्रह्म की अथक उपासना की है जिसके फल स्वरुप अत्यंत प्राचीन संस्कृति का महत्वपूर्ण इतिहास प्राप्त हो सकता है। यह ग्रंथ महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ ही चारों वेदों में सबसे विशाल काय ग्रंथ है यजुर्वेद सामवेद और अथर्ववेद तीनों मिलकर भी इसके आगे न्यून है।

ऋग्वेद का विभाजन दो प्रकार से किया गया है

(1) मंडल, अनुवाद, सूक्त और मंत्र

(2) अष्टक, अध्याय वर्ग और मंत्र। इसमें से मंडल वाला क्रम अधिक उपयुक्त और प्रचलित है। इसमें देवता के अनुसार सूक्त का विभाजन है।

अष्टक वाला विभाजन संख्या और गणना की दृष्टि से सुंदर है। इसमें पूरे ऋग्वेद को 8 समान भागों में बांटा गया है इन्हें अष्टक कहते हैं। प्रत्येक अष्टक में 8 अध्याय है पूरे ऋग्वेद में 8-8 - 64 अध्याय है ऋषि और देवताओं के अनुसार ऋग्वेद को 10 मंडलों में विभक्त किया गया है इसमें 85 अनुवाद 1028 सूक्त और 10552 मंत्र हैं। इसमें 11 बाल खिल्य या सूक्त के 80 मंत्र भी सम्मिलित हैं

यजुर्वेद -

यजुस का अर्थ - यजुर्वेद के यजुस शब्द कि कई व्याख्या कि हैं, जो विभिन्न दृष्टिकोण से प्रस्तुत कि गई है। यजुस के मुख्य अर्थ है -

(1) यजुर्यजते :, यज्ञ संबंधी मंत्रो को यजुस कहते हैं

(2) इज्यतेनेनेति यजु :, जिन मंत्रों से यज्ञ आदि किए जाते हैं।

(3) अनियताक्षरावसानो यजु : जिन मंत्रों में पद्य के तुल्य अक्षर संख्या निर्धारित नही है,

(4) शेषे यजु : शब्द : पद्य बंध और गीति से रहित मंत्रात्मक रचना को याजुस कहते हैं। यजुर्वेद की शाखाएं - शुक्ल और कृष्ण यजुर्वेद कि मुख्यतया दो भागो में विभक्त हैं 1 शुक्ल यजुर्वेद 2 कृष्ण यजुर्वेद शुक्ल यजुर्वेद कि 2 शाखाएं हैं जिसकी 2 संहिता उपलब्ध हैं

(1) माध्यन्दिन या वाजसनेयि संहिता इसमें 40 अध्याय है 1975 मंत्र है

(2) काण्व संहिता में 40 अध्याय हैं और 2086 मंत्र है

सामवेद

सामवेद का वास्तविक अर्थ गान हैं ऋग्वेद के मंत्र जब विशिष्ट गान से गाए जाते है उसे साम कहते हैं सामवेद में 1875 मंत्र संख्या हैं

अथर्ववेद

निरुक्त और गोपथ ब्राह्मण में अथर्वन शब्द के 2 निर्वाचन दिए हैं 1 अथर्वन - गतिहीन या स्थिरता से युक्त योग। 2 गोपथ ब्राह्मण में अथर्वा शब्द अथावार्क का संक्षिप्त रूप माना गया है। अथर्वेद के विविध नाम 1 अथर्व वेद 2 आंगिरस वेद 3 अथर्वाङ्गिरस वेद 4 ब्रह्म वेद 5 भृग्वांगिरस: 6 क्षत्रवेद 7 भैषज्य वेद 8 छनदोवेद 9 मही वेद

जम्मू के संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक ने सीमावर्ती गांवों का दौरा किया

जम्मू। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक आनंद जैन के साथ शनिवार को पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित सीमावर्ती गांवों का दौरा किया और संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया। इस दौरान जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी)विनोद कुमार, एसपी मुख्यालय रमनीश गुप्ता, एसडीएम आर.एस. पुरा और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा डीडीसी सदस्य सुचेतगढ़, तरनजीत सिंह टोनी, पीआरआई सदस्य और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त और पुलिस महानिरीक्षक ने भुल्ला चक गांव में प्रभावित परिवारों से बातचीत की और गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया। कुमार ने उपायुक्त जम्मू को नुकसान का गहन आकलन करने के बाद पीड़ितों को राहत प्रदान करने का निर्देश दिया।

संभागीय आयुक्त और आईजीपी ने भुल्ला चक और त्रेवा में पीआरआई सदस्यों और सीमावर्ती निवासियों के साथ बातचीत की। उन्होंने सीमावर्ती लोगों की विकास संबंधी आवश्यकताओं और अन्य मुद्दों के बारे में पूछताछ की। वहीं, लोगों ने अतिरिक्त बंकरों की आवश्यकता, चल रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने, पुलों के निर्माण और जल निकायों के अतिक्रमण पर रोक लगाने और अन्य संबंधित मुद्दों सहित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला। लोगों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने के बाद कुमार और जैन ने उपायुक्त जम्मू को सीमावर्ती लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखने और उन्हें समयबद्ध तरीके से हल करने का निर्देश दिया।

भुलक्कड़ बनकर भी चांदनी सिंह को नहीं भूल पाए अरविंद अकेला कल्लू - निर्माता संजय कुमार गुप्ता .!

कहते हैं कि भुलक्कड़ इंसान की यह भुलक्कड़ वाली बीमारी ऐसी है कि वो इस बीमारी के चक्कर मे कई बार अपने घर परिवार को भी भूल जाता है, और इस चक्कर मे उस इंसान के साथ साथ उसका पूरा परिवार इसका ख़ामियाजा भुगतान करता है। भुलक्कड़ी असल मे एक दिमागी कमजोरी वाली बीमारी है जिसके शिकार पिछले दिनों अरविंद अकेला कल्लू हो गए थे। पिछले एक महीने से उनकी भुलक्कड़ी को लेकर लोगों के बीच बड़ी आपाधापी लगी रही और अब जाकर फाइनली उनकी भुलक्कड़ी पर विराम लग पाया है। फ़िल्म निर्माता संजय कुमार गुप्ता बताते हैं कि आम दर्शकों को तो यह फ़िल्म देखने के बाद ही पता चल पाएगा कि इस भुलक्कड़ी का शिकार कौन हुआ था। हाल फिलहाल फ़िल्म भुलक्कड़ की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब इस फ़िल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

फ़िल्म निर्माता संजय कुमार गुप्ता के अम्बे फिल्म्स के बैनर तले बन रही भोजपुरी फ़िल्म भुलक्कड़ की शूटिंग उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में पूरी हो चुकी है। भुलक्कड़ी के ऊपर बनी इस बेहतरीन फ़िल्म में इस कल्लू और चाँदनी सिंह की जोड़ी को देखकर कई लोग सरप्राइज हो गए हैं। रिश्तों की बुनियाद और पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित फ़िल्म भुलक्कड़ की कहानी लिखी है भोजपुरी फ़िल्म जगत के सुप्रसिद्ध लेखक मनोज कुशवाहा ने जिनके लिखे कहानी पर इस फ़िल्म का निर्देशन किया हैं प्रवीण कुमार गुदड़ी ने। फ़िल्म भुलक्कड़ का संगीत निर्देशन किया है भोजपुरी फ़िल्मों में सबसे अधिक सुपरहिट गाने देने वाले संगीतकार ओम झा ने, और नृत्य निर्देशक हैं कानू मुखर्जी। फिल्म में कुल आठ गाने है फिल्म के सभी गानो की शूटिंग उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले के खूबसूरत लोकेशन में की गई है।

फ़िल्म की शूटिंग खत्म होने के उपरान्त मीडिया वालों से बात करते हुए अरविन्द अकेला कल्लू ने बताया की ऐसे तो मै बस्ती में कई फिल्मो की शूटिंग कर चूका हूँ पर यह फिल्म भुलक्कड़ मेरे लिए बेहद खास है। फिल्म के निर्माता संजय कुमार गुप्ता के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है। बस्ती जिले में लगातार शूटिंग करने के कारण यहां के लोगों के साथ मुझे अपनापन सा हो गया है यहाँ आकर यहाँ के लोगो का बहुत प्यार और दुलार मिलता है। जिसे मुझे लगता है कि मैं अपने घर पर ही हूँ, क्योंकि यहां की बोली, भाषा खान पान और रहन सहन सबकुछ हमारे पारम्परिक परिवेश से मेल खाता हुआ ही है। फ़िल्म भुलक्कड में कलाकारों की बात करें तो अरविंद अकेला कल्लू और चाँदनी सिंह, प्रीति मौर्या के साथ समर्थ चतुर्वेदी, नीलम पांडेय, सोनिया मिश्रा, साहब लाल धारी, सनी शर्मा, परितोष नमन पाठक, धर्मेन्दर, कविता राय, प्राची सिंह आदि अहम भूमिका में है। इस फिल्म के कार्यकारी निर्माता महेश उपाध्याय, आर्ट राम दुलारे, प्रोडक्शन मनोज पांडेय, शिवम् पांडेय, विलाल शर्मा और ड्रेस डिजायनर करिश्मा है। निर्माता संजय कुमार गुप्ता के अनुसार फ़िल्म की कहानी ऐसे विषय पर आधारित है कि जिसकी कल्पना सामान्य तौर पर कोई नहीं कर सकता है। यह एक बेहतरीन पारिवारिक प्लॉट है जिसमें संगीत और ड्रामे को एक बेहतरीन अंदाज में समायोजन करके प्रस्तुत किया गया है। फ़िल्म पूरी तरीके से ट्रेडिशनल भोजपुरी समाज के अनुरूप ढाल कर बनाई गई है।